

राष्ट्रीय दैनिक

स्वदेश प्रेम

अक्षय की समुक्त में
एलियन...

06

राष्ट्रीय राजधनी दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष-01

अंक-42

नई दिल्ली गुरुवार, 30 जुलाई 2026

R.N.I NO : DELHIN/2022/86452

पृष्ठ- 8

मूल्य-01 रुपये

राज्यसभा में 'वंदे मातरम्' व लोकसभा में 'पेपर लीक संशोधन' बिल पास

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बुधवार को भारी हंगामे के बीच राज्यसभा में वंदे मातरम् बिल- 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026' और लोकसभा में पेपर लीक संशोधन बिल- 'पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' पास हो गए। बता दें कि राज्यसभा में बुधवार को 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026' पारित कर दिया गया। उप सभापति हरिवंश नायरयण सिंह ने ध्वनि मत के जरिए विधेयक को मंजूरी दी।



केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने 24 जुलाई 2026 को राज्यसभा

में यह विधेयक पेश किया था। यह संशोधन मूल रूप से 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971' में बदलाव करता है। विधेयक में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के अपमान को लेकर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान किया

गया है। कानून लागू होने के बाद यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर वंदे मातरम् का अपमान करता है या

राष्ट्रीय गीत के गायन में बाधा डालता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जा सकेगी। ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने पर तीन साल तक की जेल,

जुर्माना या दोनों की सजा का प्रावधान किया गया है।

वहीं लोकसभा में पेपर लीक से जुड़े 'पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' बुधवार को पास हो गया। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने ध्वनि मत के आधार पर बिल को पास कर दिया। बिल पास होने से पहले नेता प्रतिपक्ष

राहुल गांधी और केन्द्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सदन को संबोधित किया था। राहुल गांधी ने पेपर लीक से जुड़े बिल पर 50 मिनट तक सदन में अपनी बात रखी। उन्होंने यह दावा किया कि गृहमंत्री ने दिल्ली में छात्रों पर फायरिंग के आदेश दिए।

राहुल गांधी के बयान पर लोकसभा में हंगामा

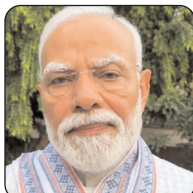
दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर विपक्ष ने मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली में छात्रों के आंदोलन, कथित पुलिस कार्रवाई और देश में पेपर लीक के मुद्दे को लेकर बुधवार को लोकसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर लगाए गए आरोपों के बाद घमासान तेज हो गया। विपक्षी दलों के नेताओं ने दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को लेकर गृह मंत्रालय को कटघरे में खड़ा किया और सरकार से जवाब देने की मांग की। इस पर सदन में भारी हंगामा हुआ और सत्तारूढ़ दलों के सांसदों ने उनसे माफी मांगने को कहा।

विपक्ष का आचरण बेहद निराशाजनक : भाजपा विधेयक पर चर्चा के दौरान केन्द्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने विपक्ष, विशेषकर लोकसभा में विपक्ष के नेता के रविवे पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि इतने महत्वपूर्ण विधेयक पर सार्थक सुझाव देने के बजाय विपक्ष इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहा है। जितेंद्र सिंह ने कहा, "सबसे पहले विपक्ष का आवरण बेहद निराशाजनक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता को दर्शाने वाले इतने गंभीर और महत्वपूर्ण विधेयक पर रचनात्मक सुझाव देने के बजाय विपक्ष राजनीति कर रहा है।

गुरु पूर्णिमा पर पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक सुभाषित साझा करते हुए कहा कि गुरु केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि अपने शिष्यों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर उन्हें अच्छे विचारों और संस्कारों से भी शिक्षित करते हैं।



प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी पोस्ट में लिखा, गुरु पूर्णिमा की सभी देशवासियों को बहुत-बहुत बधाई। गुरु ज्ञान के साथ ही अपने शिष्यों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर उन्हें सुविचार और सुसंस्कारों से सुशिक्षित करते हैं। आइए, उनके आदर्शों को अपने जीवन का संबल बनाएं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने संस्कृत श्लोक भी साझा किया—प्रेरकः सूचकश्चैव वाचको दर्शकस्तथा। शिक्षकः बोधकश्चैव षडैते गुरवः स्मृताः॥ इसका अर्थ है कि जो जीवन में प्रेरणा देता है, सही दिशा दिखाता है, ज्ञान और सत्य का उपदेश करता है, मार्गदर्शन करता है, शिक्षा देता है और आत्मविकास का मार्ग प्रशस्त करता है, ऐसे छह स्वरूपों को गुरु माना गया है।

प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले भी कई अवसरों पर संस्कृत श्लोकों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, प्रकृति संरक्षण और नैतिक मूल्यों का संदेश देते रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने प्रकृति के संरक्षण और सम्मान से जुड़ा सुभाषित साझा करते हुए कहा था कि मानवता का कल्याण प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन में निहित है। वहीं सोमवार को पीएम मोदी ने उत्तम चरित्र और सदाचार के महत्व को बताने वाला संस्कृत श्लोक साझा किया था। उन्होंने कहा था कि अच्छे आचरण वाला व्यक्ति समाज में सम्मान प्राप्त करता है और अपने चरित्र के बल पर विश्वास और नेतृत्व को पहचान बनाता है।

एफटीए से 60 ट्रिलियन डॉलर के वैश्विक बाजारों तक पहुंच बना रहा भारत: पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत द्वारा किए गए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) देश को करीब 60 ट्रिलियन डॉलर के वैश्विक बाजारों तक पहुंच दिला रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन समझौतों से निर्यात बढ़ाने, विनिर्माण को मजबूत करने और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित करने में मदद मिलेगी।

पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा किए गए एक वीडियो में कहा कि एफटीए के जरिए भारतीय निर्यातकों के लिए नए बाजार खुल रहे हैं और घरेलू उद्योग वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ लगातार व्यापार समझौते कर रहा है ताकि भारतीय कंपनियां वैश्विक वैल्यू चेन का मजबूत हिस्सा बन सकें।

सरकार के अनुसार, इन व्यापार समझौतों से टेक्सटाइल, रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग उत्पाद और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों को कम या शुन्य आयात शुल्क का लाभ मिला है। साथ ही डेयरी और कृषि जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की भी सुरक्षा की गई है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि एफटीए के माध्यम से भारत में विदेशी निवेश बढ़ रहा है और मैनुफैक्चरिंग को नई गति मिल रही है। उन्होंने संसद में दी गई जानकारी का उल्लेख करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 863.1 अरब डॉलर का रिकॉर्ड निर्यात दर्ज किया, जिसमें 441.8 अरब डॉलर का वस्तु निर्यात और 421.3 अरब डॉलर का सेवा निर्यात शामिल है।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद की जांच तेज एसआईटी पूर्व ट्रस्टी अनिल मिश्रा से कर सकती है पूछताछ

अयोध्या, एजेंसी। राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी और अनियमितताओं के मामले की जांच एक बार फिर तेज हो गई है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद गठित नई विशेष जांच टीम (एसआईटी) मामले से जुड़े लोगों से पूछताछ कर रही है। जांच के अगले चरण में एसआईटी राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा का बयान दर्ज कर सकती है।

जांच अधिकारियों के अनुसार, मंदिर में चढ़ावे की गिनती करने वाले बैंक कर्मचारियों के बयान पहले ही दर्ज किए जा चुके हैं। अब एसआईटी ट्रस्ट से जुड़े पदाधिकारियों के बयान लेने की प्रक्रिया शुरू कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक, डॉ. अनिल मिश्रा से पूछताछ के लिए नोटिस भेजने की तैयारी चल रही है। एसआईटी बैंक रिकॉर्ड, दस्तावेजों और अब तक जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर उनसे जानकारी ले सकती है। जांच से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि जरूरत पड़ने पर ट्रस्ट से जुड़े अन्य पदाधिकारियों से भी पूछताछ की जा सकती है। इसमें ट्रस्ट से जुड़े गोपाल राव समेत अन्य लोगों के नाम भी शामिल हैं।

एसआईटी का उद्देश्य कथित अनियमितताओं से जुड़े सभी पहलुओं की जांच करना और उपलब्ध दस्तावेजों व साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट करना है।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद की गहन जांच के लिए 20 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की गिनतानी में नई एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया था। इसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने पुलिस महानिरीक्षक किरण एस. की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया। इस टीम में अयोध्या रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक सोमेन वर्मा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव श्रौर को भी शामिल किया गया है। नई एसआईटी के गठन के बाद जांच प्रक्रिया में तेजी आई है। हालांकि, टीम की अभी तक औपचारिक बैठक नहीं हुई है, लेकिन अधिकारियों के अनुसार जांच व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रही है।

इससे पहले 26 जुलाई को उत्तर प्रदेश सरकार ने राम मंदिर में दान और चढ़ावे से जुड़ी कथित गड़बड़ाइयों की जांच के लिए एसआईटी का पुनर्गठन किया था।

पश्चिम बंगाल में रेत माफिया पर बड़ी कार्रवाई 5.5 करोड़ रुपये नकद और 15 किलो सोना बरामद

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में पुलिस ने कथित रेत माफिया दुल्गुल मंडल उर्फ मोहम्मद नजीबुद्दीन के ठिकाने पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अब तक 5.5 करोड़ रुपये नकद और 15 किलो सोना बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, नकदी की गिनती अभी भी जारी है।

पुलिस ने बताया कि खुफिया सूचना मिलने के बाद मोहम्मद बाजार थाना क्षेत्र में आरोपी के ठिकाने पर छापा मारा गया। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में नकदी और सोना बरामद हुआ, जिसे कथित तौर पर अवैध तरीके से अर्जित किया गया था।

मुख्यमंत्री सुबेंद्रु अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर



माफिया सिंडिकेट पर कार्रवाई रहेगी जारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी धन जनता का है और उसकी लूट करने वालों के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में माफिया सिंडिकेट और भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान आगे भी बिना किसी समझौते के चलता रहेगा।

रही है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

सीजेपी प्रदर्शन के बाद सोशल मीडिया पोस्ट मामले में दिल्ली पुलिस सख्त एक्स से मांगी अकाउंट की जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट पेपर लीक मामले को लेकर हुए सीजेपी (केम्पेन फॉर जस्टिस एंड पीस) के विरोध-प्रदर्शन के बाद सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक पोस्ट और वीडियो प्रसारित किए जाने के मामले में दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को नोटिस भेजकर संबंधित पोस्ट हटाने, डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित रखने और पोस्ट करने वाले अकाउंट की पूरी जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है।

पुलिस के अनुसार, कुछ सोशल मीडिया पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत अन्य संवैधानिक पदों को लेकर कथित रूप से आपत्तिजनक, दुर्भावनापूर्ण और मानहानिकारक सामग्री साझा की गई। मामले की

जांच के लिए पुलिस डिजिटल साक्ष्य जुटा रही है।

दिल्ली पुलिस ने एक्स से उस अकाउंट की पूरी जानकारी मांगी है, जिससे संबंधित पोस्ट और वीडियो अपलोड किए गए थे। पुलिस ने अकाउंट संचालक का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आईडी और अन्य पंजीकरण संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है। इसके साथ ही पुलिस ने अकाउंट से जुड़े लॉग-इन और लॉग-आउट का समय व तारीख की जानकारी भी मांगी है, ताकि पोस्ट करने वाले व्यक्ति या समूह की पहचान की जा सके। दिल्ली पुलिस ने एक्स को संबंधित पोस्ट, वीडियो और उनसे जुड़े सभी डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के निर्देश दिए हैं।

सेना की पहचान केवल रणभूमि के पराक्रम से नहीं मानवीय सेवा से भी होती है : राजनाथ सिंह

लखनऊ कमांड हॉस्पिटल में देश के पहले डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री मेडिसिन की स्थापना

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सेनाओं की पहचान केवल युद्ध के मैदान में दिखाई देने वाले शौर्य और पराक्रम से नहीं होती, बल्कि मानवीय सहायता, आपदा राहत और सैनिकों के प्रति सेवा भावना से भी होती है। उन्होंने कहा कि युद्ध हो, प्राकृतिक आपदा हो या कोई अन्य मानवीय संकट, भारतीय सैनिक हमेशा सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं।

रक्षा मंत्री बुधवार को लखनऊ स्थित कमांड हॉस्पिटल में स्थापित किए जा रहे देश के पहले डिपार्टमेंट



संयुक्त राष्ट्र मिशनों में भी भारत की सैन्य चिकित्सा सेवाओं की अहम भूमिका

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत की सैन्य चिकित्सा सेवाओं की पहचान केवल देश की सीमाओं तक सीमित नहीं है। भारत संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों में प्रमुख सैन्य योगदान देने वाले देशों में शामिल है। उन्होंने कहा कि जब भारतीय सैन्य चिकित्सक दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में सेवाएं देने जाते हैं तो उन्हें वहां भी कठोर तरह की चिकित्सा चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में सैन्य चिकित्सा के क्षेत्र में मजबूत शोध और प्रशिक्षण बेहद जरूरी है।

कमांड हॉस्पिटल लखनऊ की गौरवशाली परंपरा को मिलेगा विस्तार

रक्षा मंत्री ने कहा कि लखनऊ ऐतिहासिक रूप से भारतीय सैन्य परंपराओं का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। कमांड हॉस्पिटल पहले से ही सेवा, शोध और अनुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस अस्पताल के चिकित्सकों ने ऑपरेशन विजय और कारगिल युद्ध के दौरान अदम्य साहस और समर्पण का परिचय दिया था। अब इसी परिसर में सैन्य चिकित्सा विभाग की स्थापना इस गौरवशाली परंपरा को और मजबूत करेगी।

ऑफ मिलिट्री मेडिसिन के अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह विभाग सैन्य चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है,

जो बदलती युद्ध परिस्थितियों के अनुरूप चिकित्सा अनुसंधान और सुविधाओं को नई दिशा देगा।

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सैनिक दुनिया के सबसे

चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में तैनात रहते हैं। सियाचिन की बर्फाली ऊंचाइयों से लेकर रेगिस्तान की तपती गर्मी तक जवान देश की सुरक्षा में डटे रहते हैं।

कोयला ब्लॉक आवंटन मामला:

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को किया दोषमुक्त, 2015 का समन रद्द

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को बड़ी राहत देते हुए उन्हें दोषमुक्त कर दिया है। शीर्ष अदालत ने वर्ष 2015 में ट्रायल कोर्ट द्वारा जारी समन को रद्द करते हुए सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार कर ली और मामले को बंद कर दिया।

यह मामला वर्ष 2005 में ओडिशा के तालाबीरा-2 कोल ब्लॉक आवंटन से जुड़ा था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह के खिलाफ मुकदमा चलाने या सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को खारिज करने के लिए पर्याप्त आधार नहीं था। अदालत ने माना कि विशेष



सीबीआई अदालत के पास क्लोजर रिपोर्ट को अस्वीकार करने का कोई

टोस कारण नहीं था।

गौरतलब है कि 11 मार्च 2015 को विशेष सीबीआई अदालत ने डॉ. मनमोहन सिंह और पांच अन्य लोगों को आरोपी के रूप में समन जारी किया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने इस कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। अब ताजा फैसले के साथ पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ यह कानूनी मामला पूरी तरह समाप्त हो गया है।

पुलिस से भिड़े वारिस पंजाब दे के कार्यकर्ता



व्यवस्था बढ़ा दी गई है और कई इलाकों में यातायात प्रभावित हुआ है।

प्रदर्शन को देखते हुए चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस ने बुधवार के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की है। पुलिस के अनुसार, सुबह से मोहाली बॉर्डर (बुडैल जेल के पीछे) से सेक्टर-

50/51 चौक और वहां से सेक्टर-44/45 लाइट प्लांट तक सर्वोपर पथ पर वाहनों की आवाजाही आंशिक रूप से प्रभावित रहेगी।

इसके अलावा सेक्टर-43/44/51/52 चौक (आईएसवीटी चौक) से सेक्टर-44/45 चौक (गौशाला

लोगों से वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करने की अपील

चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय बसों को सेक्टर-43 आईएसवीटी पहुँचाने के लिए वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। साथ ही आम लोगों से अपील की गई है कि वे जाम से बचने के लिए वैकल्पिक रास्तों का उपयोग करें और ट्रैफिक अपडेट के लिए पुलिस के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नजर रखें। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने और किसी भी तरह की कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाली गतिविधि से दूर रहने की अपील की है।

चौक) होते हुए सेक्टर-45/46-49/50 चौक तक विकास मार्ग पर भी ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया गया है।

गुरु पूर्णिमा पर डॉ. महेश शर्मा ने गुरुजनों का किया सम्मान, मंदिर और गुरुद्वारा साहिब में टेका मत्था

स्वदेश प्रेम

नोएडा। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गौतमबुद्ध नगर के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर के दीनदयाल उपाध्याय मंडल द्वारा आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव में सहभागिता कर गुरुजनों का सम्मान किया। इस दौरान उन्होंने नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान के साथ सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर में भगवान के दर्शन एवं पूजन-अर्चन कर देश, प्रदेश और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गुरुजनों का विधिवत पूजन किया गया। डॉ. महेश शर्मा

ने गुरुजनों को तिलक लगाकर, पुष्पमाला एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने श्री श्री 1008 आनंद विभूति महामंडलेश्वर शिवाचार्य साध्वी कृष्णा जी, राष्ट्रीय संयोजिका साध्वी मंडल से भेंट कर उनका पूजन किया और आशीर्वाद लिया। इसके उपरांत डॉ. महेश शर्मा सेक्टर-25 स्थित गुरुद्वारा साहिब पहुंचे, जहां उन्होंने श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेका तथा ग्रंथी सिंहों को सिरोंपा भेंट कर सम्मानित किया। अपने संबोधन में डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। गुरु ही



व्यक्ति को ज्ञान, संस्कार और

जीवन का सही मार्ग दिखाते हैं। गुरु पूर्णिमा का पर्व अपने गुरुजनों

के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है तथा हमें उनके बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में चन्दगीराम यादव, संजय बाली, भूपेन्द्र सिंह, शशिधर उपाध्याय, डिम्पल आनंद, अशोक मिश्रा, विकास तिवारी, लोकेश कश्यप, अनिल पेशावरिया, पी.सी. पंचोली, श्रीमती विनय गुप्ता, उषा थापा, सुनिती थपलियाल, ब्रजेश कुमार, ममता सिंह, कुशल त्यागी, मुरारी ठाकुर सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम में गुरु पूर्णिमा का उत्साह और आध्यात्मिक वातावरण देखने को मिला।

डीसीपी धवल जायसवाल ने दिए रीडरों को कार्यकुशलता एवं जवाबदेही के मूल मंत्र

स्वदेश प्रेम

गाजियाबाद : पुलिस कमिश्नरेट के कार्यालय कार्यों को अधिक व्यवस्थित पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से बुधवार को नगर एवं ट्रांस हिंडन जोन के सभी रीडरों की बैठक आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता डीसीपी नगर एवं ट्रांस हिंडन धवल जायसवाल ने की इस दौरान उन्होंने रीडरों को अपने दायित्वों का निष्ठा पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ निर्वह करने के निर्देश दिए बैठक को संबोधित करते हुए डीपी धवल जायसवाल ने कहा की किसी भी पुलिस कार्यालय की कार्य प्रणाली में रीडरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है कार्यालय में आने वाली पत्रावलियों अभिलेखों और अन्य प्रशासनिक कार्यों का शुच्यवस्थित संचालन उनकी कार्य कुशलता पर निर्भर करता है इसलिए प्रत्येक रीडर अपने दायित्वों का गंभीरता से पालन करते हुए सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करें उन्होंने कार्यालयी अभिलेख के



सुच्यवस्थित रख रखाव पर विशेष बल देते हुए निर्देश दिए की सभी रिकॉर्ड नियमित रूप से अद्यतन रखे जाएं ताकि आवश्यकता पड़ने पर किसी भी पत्रावली या दस्तावेज की जानकारी तत्काल उपलब्ध कराई जा सके साथ ही लॉबित पत्रावलियों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने और अनावश्यक विलंब से बचने के निर्देश भी दिए। गोष्ठी के दौरान कार्यालयी कार्यों में पारदर्शिता जवाबदेही और गुणवत्ता में निरंतर सुधार के विभिन्न पहलुओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई डीसीपी ने कहा कि पुलिस विभाग की कार्यकुशलता केवल कानून

व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है बल्कि कार्यालयों का सुचारु और व्यवस्थित संचालन भी आमजन को बेहतर पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है बैठक के अंत में सभी रीडरों को शासन एवं पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पूर्ण पालन करने कार्यालयी कार्यों में अनुशासन पारदर्शिता और समयबद्धता बनाए रखने तथा कमिश्नरेट पुलिस की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने में सक्रिय योगदान देने के निर्देश दिए गए।

अवन्तिका और महारौली में जीडीए का बुलडोजर, अवैध निर्माण व अवैध कॉलोनी पर बड़ी कार्रवाई

स्वदेश प्रेम-गाजियाबाद।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ सख्त अभियान जारी रखते हुए बुधवार को प्रवर्तन जोन-04 क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। उपाध्यक्ष के निर्देश पर अवन्तिका स्थित एक अवैध निर्माण को ध्वस्त करने के साथ ही उसे सील कर दिया गया, जबकि महारौली में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी पर भी बुलडोजर चलाकर निर्माण कार्य को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। जीडीए अधिकारियों के अनुसार अवन्तिका क्षेत्र के भूखंड संख्या सीडी-16ए पर मनोज बेनीवाल एवं विजया बेनीवाल द्वारा स्वीकृत मानचित्र के विपरीत सेटबैक प्रभावित कर निर्माण किया जा रहा था। नोटिस और कार्य रोकने के आदेश के बावजूद निर्माण जारी रहने पर अतिरिक्त अवैध हिस्से को ध्वस्त कर भवन को सील कर दिया गया। इसके अलावा ग्राम महारौली में खसरा संख्या 816, 819, 820 एवं 821 की करीब 6600 वर्ग गज भूमि पर बिना अनुमति अवैध प्लॉटिंग की तैयारी की जा रही थी। यहाँ मिट्टी भरवा, कच्ची सड़क बनाकर एनएच-09 से जोड़ने तथा सीवर लाइन डालने की तैयारी चल रही थी। जीडीए ने मौके पर पहुंचकर पूरे अवैध विकास कार्य को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान निर्माणकर्ताओं ने विरोध भी किया, लेकिन प्राधिकरण पुलिस बल की मौजूदगी में ध्वस्तीकरण अभियान सफलतापूर्वक पूरा कराया गया।



इस दौरान प्रभारी प्रवर्तन जोन-04, सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस एवं प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा।

जीडीए ने स्पष्ट किया है कि अवैध निर्माण और अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

माटीकला जागरूकता कार्यक्रम में स्वरोजगार

योजनाओं की दी जानकारी, उद्यमिता को मिला बढ़ावा

स्वदेश प्रेम

रोटर नोएडा : माटीकला बोर्ड स्थापना पखवाड़ा के अवसर पर बुधवार को केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), गौतमबुद्धनगर परिसर में जिला ग्रामोद्योग विभाग की ओर से माटीकला जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माटीकला उद्योग से जुड़े कारीगरों, उद्यमियों एवं प्रशिक्षार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, ऋण सुविधाओं, अनुदान तथा स्वरोजगार परिसर के अवसरों की विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में जिला अग्रणी प्रबंधक, केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक, वित्तीय साक्षरता केंद्र के वरिष्ठ काउंसलर, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ज्योति रानी, प्रबंधक पारस भाटिया, अनुदेशक मनोज कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, उद्यमी और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ज्योति रानी ने माटीकला बोर्ड की योजनाओं की जानकारी देते हुए अधिक से

अधिक लोगों से इनका लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। प्रबंधक पारस भाटिया ने मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना तथा नि:शुल्क टूल किट वितरण योजना की पात्रता और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी। वित्तीय साक्षरता केंद्र के वरिष्ठ काउंसलर उमाकांत यादव ने बैंकिंग सेवाओं, सुरक्षित डिजिटल लेनदेन और वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। जिला अग्रणी प्रबंधक ने विभिन्न बैंक ऋण योजनाओं की जानकारी देते हुए युवाओं को स्वयं का उद्योग स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में माटीकला रोजगार योजना से लाभान्वित उद्यमी राधा ने अपनी सफलता की कहानी साझा की, जबकि उद्यमी देवीराम ने विद्युत चालित चाक पर मिट्टी के विभिन्न आकर्षक बर्तनों का सजीव प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों को पारंपरिक शिल्प की उपयोगिता से अवगत कराया। अंत में केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

खेत से लौट रहे युवक व उसकी मां से

मारपीट, दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज

स्वदेश प्रेम-जेवर : कोतवाली क्षेत्र के गांव अलीअहमदपुर में खेत से घर लौट रहे एक युवक और उसकी मां के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने दो आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गांव अलीअहमदपुर निवासी दिनेश ने तहरीर देकर बताया कि सोमवार रात करीब आठ बजे वह अपने खेत से घर लौट रहे थे। आरोप है कि रास्ते में उन्हें मौनू और उसके साथ एक अज्ञात व्यक्ति मिला। दोनों ने पुरानी रंजिश अथवा किसी अन्य कारण से उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। अचानक हुए हमले में दिनेश घायल हो गए और उन्होंने शोर मचाकर सहायता की गुहार लगाई। शिकायत के अनुसार शोर सुनकर दिनेश की मां मौके पर पहुंचीं और बीच बचाव का प्रयास किया, लेकिन आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि घटना के बाद से वह भय के माहौल में जी रहा है और आरोपियों से जान माल का खतरा बना हुआ है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर नामजद आरोपी मौनू तथा एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जमीन पर कब्जे के प्रयास का आरोप, विरोध

करने पर मारपीट व जान से मारने की धमकी

स्वदेश प्रेम-जेवर : कोतवाली क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। गाजियाबाद के लोनी निवासी एक व्यक्ति ने अलीगढ़ के रहने वाले तीन लोगों पर उसकी भूमि पर जबरन कब्जा करने का प्रयास करने तथा विरोध करने पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार लोनी निवासी श्रीकांत ने शिकायत में बताया कि गांव झुप्पा स्थित उसकी भूमि पर अलीगढ़ निवासी घनश्याम कथित रूप से दर्बगई के बल पर अवैध कब्जा करने का प्रयास कर रहा था। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपी ने अपने साथी चंद्रपाल और सुबे के साथ मिलकर उनके साथ गाली-गलौज की और मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि इस दौरान तीनों ने उन्हें गंभीर परिणाम भुगताने और जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर घनश्याम, चंद्रपाल और सुबे के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। भूमि संबंधी अभिलेखों सहित अन्य तथ्यों का परीक्षण किया जाएगा। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील भी की है।

सुकन्या समृद्धि योजना की किरतें हड़पने का

आरोप, पोस्टमास्टर के खिलाफ ग्रामीणों ने

की शिकायत

स्वदेश प्रेम-रबपुरा : क्षेत्र के गांव रौनीजा स्थित शाखा डाकघर के शाखा पोस्टमास्टर पर सुकन्या समृद्धि योजना और आवर्ती जमा (आरडी) योजना की किरतों को रकम लेकर गायब होने का आरोप लगा है। ग्रामीणों ने मुख्य डाकघर पहुंचकर मामले की शिकायत करते हुए आरोपी शाखा पोस्टमास्टर के विरुद्ध सख्त कार्रवाई और जमा धनराशि सुरक्षित कराने की मांग की है। शिकायत मिलने के बाद डाक विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी गई है। ग्रामीण बलबीर और अन्य लोगों का कहना है कि उन्होंने अपनी बेटियों के नाम भारत सरकार की सुकन्या समृद्धि योजना तथा आवर्ती जमा योजना के अंतर्गत खाते खुलवा रखे हैं। प्रत्येक माह वे निर्धारित किश्त की राशि गांव के शाखा पोस्टमास्टर दीर्घाशु डायर को जमा कराते थे। आरोप है कि पोस्टमास्टर राशि लेने के बाद पासबुक में प्रविष्टि कर उसे वापस कर देता था। ग्रामीणों के अनुसार जून माह की किश्त की राशि भी उन्होंने पोस्टमास्टर को सौंप दी थी, लेकिन अब तक न तो वह राशि संबंधित खातों में जमा की गई और न ही पासबुक वापस की गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि हजारों रुपये लेने के बाद से शाखा पोस्टमास्टर गांव नहीं आया है और उसका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है। इससे खाताधारकों में चिंता और आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि उनकी जमा धनराशि का गबन किया गया है तथा दोषी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। मुख्य डाकघर के अधिकारियों ने बताया कि शिकायत प्राप्त होने के बाद पूरे प्रकरण की जांच प्रारंभ कर दी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

गुरु पूर्णिमा पर गुरुजनों का सम्मान, विद्यार्थियों ने

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जताई कृतज्ञता

स्वदेश प्रेम-दादरी : नगर के रेलवे रोड स्थित शैफाली पब्लिक स्कूल में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, उत्साह और पारंपरिक गरिमा के साक्ष्य माना गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कविता, भाषण तथा रंगरंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम में विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय की प्रधानाचार्य प्रेमिता शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि जीवन को सही दिशा, संस्कार और चरित्र निर्माण का मार्ग भी प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए माता-पिता और गुरुजनों का सम्मान करना आवश्यक है। गुरु के मार्गदर्शन और आशीर्वाद से ही विद्यार्थी अपने निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचकर उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करते हैं तथा राष्ट्र की प्रगति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

छात्रवृत्ति योजनाओं में समयबद्ध सत्यापन पर जोर, पात्र विद्यार्थियों को हर हाल में मिले लाभ

स्वदेश प्रेम

ग्रेटर नोएडा उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के क्रम में जनपद में संचालित छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रभावी संचालन, पारदर्शिता और समयबद्ध क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी जिला विकास अधिकारी एवं परियोजना निदेशक, जिला ग्रामीण विकास अधिकरण (डीआरडीए) नेहा सिंह ने की। बैठक में विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों, उनके सत्यापन,

अग्रसारण तथा स्वीकृति की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। नेहा सिंह ने स्पष्ट कहा कि पात्र छात्र-छात्राओं के आवेदनों का निर्धारित समय सीमा के भीतर सत्यापन एवं अग्रसारण हर हाल में पूरा किया जाए, ताकि कोई भी पात्र विद्यार्थी छात्रवृत्ति के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने लॉबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण करने तथा शासन की समय सीमा का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने



के निर्देश दिए। बैठक में यह भी कहा गया कि छात्रवृत्ति योजनाओं

का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र विद्यार्थियों को शिक्षा के

लिए प्रोत्साहित करना है, इसलिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य

करते हुए योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र लाभार्थी तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। समीक्षा के दौरान छात्रवृत्ति वितरण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने पर भी विशेष बल दिया गया। बैठक में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी लवेश कुमार सिसोदिया, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुनीता मंडार, संबंधित विभागों के अधिकारी तथा विभिन्न महाविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों के छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

ONLINE GYANM
COMPLETE YOUR COURSE ONLINE

ADMISSION OPEN 2026-2027 SESSION

TOP RECOGNIZED UNIVERSITIES & INSTITUTIONS

ONLINE / DISTANCE COURSES (DEB APPROVED)

BA MA B.Com B. Com M. Com B. Sc

M. Sc BBA MBA PGDCA PGDBM

B. LIB LIB

OPEN SCHOOLING COURSE

10th | 12th

ONLINE / DISTANCE COURSES के फायदे

किसी भी पूरे कर्मीयत किसी भी वक़्त में से वक़्त में

पर की शिक्षा प्राप्त करें अपने कक्ष और कक्षाओं में कक्षाओं में

किराया नहीं देना कोई भी वक़्त में वक़्त में वक़्त में वक़्त में

अध्ययन करने के लिए डिजिटल कक्षा में कोई भी वक़्त में वक़्त में वक़्त में वक़्त में

किसी भी वक़्त में वक़्त में वक़्त में वक़्त में वक़्त में वक़्त में वक़्त में वक़्त में

“अपने सपनों को हों नज़्द उठान, अनिच्छाएं त्याग के साथ कक्षा में बैठकर कक्षा में

ENROLL NOW!

FLEXIBILITY IS THE KEY TO YOUR SUCCESS

Recorded Lectures & Study Material

Online Exams & Assignments

Student Support 24x7

Easy Admission Process

Career Counseling

100% Secure & Trusted

CALL US NOW 9811552950

VISIT OUR WEBSITE www.onlinegyanm.com

EMAIL US onlinegyanm@gmail.com

गाजियाबाद में सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत और कई घायल

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद के निवाड़ी थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात करीब 12-३0 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उम्र वक्त हुआ जब हरिद्वार दर्शन और गंगा स्नान के लिए जा रही एक बोलेरो पिकअप की ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि पिकअप हाल ही में खरीदी गई थी और सवार सभी लोग उसकी पूजा-अर्चना एवं गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। सूचना मिलते ही निवाड़ी पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेते हुए उसके चालक और परिचालक की हिरासत में ले लिया है। मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। यह क्षेत्र में सड़क दुर्घटना का अकेला मामला नहीं है। इससे पहले, 21 जुलाई को ग्रेटर नोएडा के छपरीला के पास भी सरिया लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर नाले में गिर गया था, जिससे कैबिन में फंसे चालक आभिर (28) की मौत हो गई थी। इन हादसों ने सड़कों पर सुरक्षा उपायों की गंभीरता पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं।

भाजपा सांसदों को बागवानी सब्सिडी : एक ने लौटाई, सरकार ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने संसद को जानकारी दी कि केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भीमरथ चौधरी और राजस्थान के भाजपा सांसद लुंबाराम को बीते पांच वर्षों के दौरान राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (एनएचबी) की योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता मिली थी। हालांकि, चौधरी ने अपनी सब्सिडी वापस कर दी है। कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने बताया कि एनएचबी की योजनाएं व्यावसायिक बागवानी, संरक्षित खेती, फसल कटाई के बाद प्रबंधन और शीत भंडार अवसंरचना के विकास के लिए पात्र किसानों और उद्यमियों को आंशिक मदद देती हैं। उन्होंने सांसदों और उनके करीबी परिवार के सदस्यों को मिली वित्तीय सहायता का विवरण दिया, जिसमें चौधरी और लुंबाराम प्रमुख थे। कृषि राज्य मंत्री ठाकुर ने स्पष्ट किया कि भीमरथ चौधरी ने अपनी सब्सिडी संबंधित बैंक को लौटा दी है, जिसे बागवानी बोर्ड को वापस भेजने का निर्देश दिया गया है। मंत्री ने बताया कि बोर्ड के दिशानिर्देशों में लोक सेवकों या उनके परिवार के सदस्यों के आवेदनों को लेकर हितों के टकराव का कोई विशेष प्रावधान नहीं है। ये योजनाएं सभी पात्र आवेदकों के लिए उपलब्ध हैं, जिनमें व्यक्ति, कर्म और कर्मियां शामिल हैं, बशर्ते वे निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करें। इसमें परिवोजना की जमानत आवेदक के खासियत में होनी चाहिए या कम से कम 10 साल के लिए पट्टे पर ली गई होनी चाहिए।

कांवड़ यात्रा से पहले हापुड़ में मांसाहारी दुकानें बंद : प्रशासन सख्त

हापुड़ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के हापुड़ जिले में आगामी कावड़ यात्रा की शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने कड़े कदम उठा दिए हैं। शिवभक्तों की आस्था का सम्मान करने और यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से, शहर में मीट, मछली, अंडे और अन्य मांसाहारी उत्पादों की बिक्री करने वाली सभी दुकानें बंद करने के आदेश दिया है। यह प्रतिबंध 26 जुलाई से अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा, जिसकी सूचना सभी दुकानदारों को नोटिस के माध्यम से दे दी गई है। पुलिस और जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि इस अवधि के दौरान कोई भी मांसाहारी प्रतिष्ठान खुला मिलता है, तब उसके मालिक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी। जिलाधिकारी कविता मीणा ने जानकारी देकर बताया कि कावड़ यात्रा की सोहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु निर्णय लिया है। उन्होंने पुष्टि की कि सभी मीट की दुकानों और रेस्तरां संचालकों को सूचित किया गया है कि कावड़ मार्ग व आसपास के क्षेत्रों में मीट, मांस, मछली की बिक्री पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। जिला प्रशासन ने दुकान मालिकों और होटल संचालकों से आदेश का पूर्णतः पालन करने की अपील की है। इसके अतिरिक्त, हापुड़ पुलिस यात्रा मार्गों पर लगातार निगरानी कर रही है और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पहले ही कई दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं। खाद्य और अन्य प्रतिष्ठानों की भी जांच की जा रही है, ताकि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। प्रशासन का लक्ष्य है कि लाखों कांवड़ियों की यात्रा सुरक्षित और निर्बाध रूप से पूरी हो सके।

अबोहर के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, स्कूल खाली कराए

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियों का सिलसिला जारी है। बुधवार सुबह फाजिल्का जिले के अबोहर स्थित कई प्रमुख स्कूलों को धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद प्रशासन में हड़कौट मंच गया। एहतियात के तौर पर स्कूलों को तत्काल खाली कराकर छात्रों को सुरक्षित घर भेज दिया गया। जगदीश के अनुसार, असम्पन्न कॉलेज स्कूल, शीवाही स्कूल समेत कई शिक्षण संस्थानों को सुबह करीब 8-51 बजे ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें दोषी 1-30 बजे तक स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। सूचना मिलते ही स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों को इसकी जानकारी दी और तत्काल छुट्टी घोषित कर दी। घटना की सूचना पर पुलिस, बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंचीं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार स्कूल परिसरों की महन तलाशी ली गई और ईमेल भेजने वाले की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। प्रशासन ने लोगों से अप्रवाहों पर ध्यान न देने और सतर्क रहने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी पंजाब के जालंधर, अमृतसर, संगम, मोहाली तथा चंडीगढ़ के कई स्कूलों को इसी तरह की धमकी भरे ईमेल मिल चुके हैं। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है।

अमृतपाल की रिहाई को लेकर प्रदर्शन हुआ तेज, मोहाली बॉर्डर पर पुलिस से झड़प

चंडीगढ़ (एजेंसी)। सांसद अमृतपाल सिंह की रिहाई की मांग को लेकर बुधवार को अकाली दल (वारिस पंजाब दे) के कार्यकर्ताओं ने चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री भगत मान के सरकारी आवास के घेराव का प्रयास किया। प्रदर्शन को रोकने के लिए चंडीगढ़ पुलिस ने मोहाली-चंडीगढ़ सीमा पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए थे, यहां प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखी झड़प हो गई।

छात्रों पर बल प्रयोग कर सरकार ने गांधी के विचारों को कफन पहनाने का काम किया

डिंपल यादव सहित विपक्षी सांसदों ने केंद्र सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद डिंपल यादव ने नीट प्रश्नपत्र लोक के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर केंद्र सरकार द्वारा किए गए बल प्रयोग की तीखी निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कार्रवाई से महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के विचारों को कफन पहनाने का काम किया है। लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, पर चर्चा के दौरान डिंपल ने बीते 40 दिनों में आत्महत्या करने वाले 20 विद्यार्थियों का उल्लेख किया।

सपा सांसद डिंपल ने सवाल उठाया कि जब 2024 में इस तरह का कानून लाया गया था, तब भी प्रश्नपत्र लोक क्यों हुए? उन्होंने पेपर लोक को मोदी सरकार का षड्यंत्र या सिस्टम में परमानेंट लोकेंज बताया। उन्होंने छात्रों के हौसले की सराहना की, जिन्होंने प्रशासन का डकड़न मुकाबला किया और अहकारी सरकार के आगे झुकने से इंकार किया। डिंपल ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी बेटियों के कपड़े फाड़ गए, उन पर पैलेट गन चली, बच्चों के



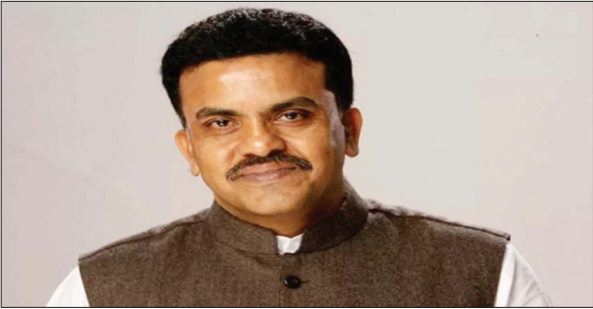
सिर कील लगे डंडे से फोड़े और बिहार में एके-47 का इस्तेमाल हुआ। उन्होंने भाजपा सदस्यों पर पलटवार कर कहा कि यदि आपातकाल देखा जा...तब सड़कों पर देखना चाहिए था, जब बच्चे खून बहा रहे थे। उन्होंने छात्रों को अराजक तत्व कहने वाले सांसदों की भी कड़ी आलोचना की।

वहीं कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने विधेयक को बिना मन से लाया गया बताकर कहा कि 2024 का कानून भी विफल रहा। उन्होंने त्वरित अदालत को भाजपा का नया जुमला करार देकर मुद्दाव दिया कि पेपर लोक होने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा कानून में पहली शर्त होनी चाहिए। हुड्डा ने कहा कि 12

साल की भाजपा सरकार के बाद युवा पीढ़ी चौराहे पर है, और सरकार ने किसान व पहलवान आंदोलनों की तर्ज पर ही छात्र आंदोलन को दबाने के लिए अपने दूल क्रिट का इस्तेमाल किया।

लोजपा (रामबिलास) के अरुण भारती ने विधेयक का समर्थन कर पेपर लोक की सूचना देने वालों को संरक्षण और रह परीक्षाओं की जांच की मांग की। कांग्रेस सांसद के. सी. वेणुगोपाल ने चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अनुपस्थिति पर सवाल उठाया और एक निष्पक्ष जांच का आदेश देने की मांग की। तुणमूल कांग्रेस की शर्मिला सरकार ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन को लोकतांत्रिक अधिकार बताया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपशब्दों के इस्तेमाल के साथ-साथ पुलिस लाठीचार्ज की भी निंदा की। शिवसेना (उबाठा) के अरविंद सावंत ने जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन और छात्रों के साहस की सराहना कर लड़कियों पर हुई बर्बरता की निंदा की।

संजय निरूपम ने कहा- प्रोफेसर वी. कामाकोटी से माफ़ी मांगे प्रियंका



—संसद में टिप्पणी पर बड़ा सियासी घमासान

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा घोषित परीक्षा सुधार टास्क फोर्स की लेकर नया सियासी विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी द्वारा आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामाकोटी को टास्क फोर्स में शामिल किए जाने पर सवाल उठाने और उन्हें लेकर की गई टिप्पणी के बाद राजनीतिक पात्र चढ़ गया है। प्रियंका गांधी के इस बयान की जहां सत्ता पक्ष ने तीखी निंदा की है, वहीं अब शिवसेना नेताओं ने भी उन्हें नसीहत देते हुए सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगने की मांग की है। संजय निरूपम ने आगे कहा कि भारतीय परंपराओं, आयुर्वेद और नेचुरोपैथी पर शोध करने वाले विद्वानों का मजक उड़ाना अनुचित है। उन्होंने प्रियंका गांधी की टिप्पणी पर सवाल उठाते हुए कहा कि वैज्ञानिकता की आड़ में भारतीय परंपराओं से नफरत करना सही नहीं है। उन्होंने मांग की कि प्रियंका गांधी को एक महान शिक्षक और वैज्ञानिक का अपमान करने के लिए प्रोफेसर कामाकोटी से माफ़ी मांगनी चाहिए। इससे पहले मानसून सत्र के

दौरान चर्चा में हिस्सा लेते हुए प्रियंका गांधी ने नई कमेटी के गठन पर सवाल उठाए थे और टास्क फोर्स के सदस्यों की योग्यताओं पर टिप्पणी की थी। इस बयान के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए कहा था कि देश के प्रमुख वैज्ञानिकों में से एक पर इस तरह की टिप्पणी करना दुखद है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रियंका गांधी अपनी बातों से लोगों को गुमराह करने और अपनी पूर्ववर्ती सरकारों की नाकामियों को छिपाने का प्रयास करती हैं। वहीं, शिवसेना नेता संजय निरूपम ने सोशल मीडिया पर एक विस्तृत पोस्ट साझा कर प्रोफेसर कामाकोटी की शैक्षणिक योग्यताओं और उपलब्धियों का ब्योरा दिया। उन्होंने लिखा कि प्रोफेसर कामाकोटी आईआईटी मद्रास के निदेशक हैं, आधुनिक तकनीक के विशेषज्ञ हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टास्क फोर्स का नेतृत्व कर चुके हैं। वर्ष 2011 में आईआईटी की परीक्षाओं का सफल संचालन करने जैसी अनेक उपलब्धियां उनके नाम दर्ज हैं। इन्हीं योग्यताओं के आधार पर उन्हें नीट जैसी परीक्षाओं में सुधार और पारदर्शिता लाने वाली समिति में शामिल किया गया है।

फर्जी नंबर प्लेट लगाकर तस्करी कर रहा था शराब, द्वारका पुलिस ने 3,250 क्वार्टर और 180 बोतलों सहित तस्कर दबोचा

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी नई दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस ने नशे पर लगाम, देश को सलाम!! अभियान के तहत अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 3,250 क्वार्टर और 180 बोतल अवैध देसी व अंग्रेजी शराब बरामद की है। तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे टाटा एस टेंपो को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने वाहन पर फर्जी नंबर प्लेट लगा रखी थी और शराब को टेंपो में बनाए गए गुप्त चेंबर में छिपाकर ले जाया जा रहा था। द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) कुशल पाल सिंह के निर्देशन एवं एसीपी ऑपरेशन सुभाष मुलिक की निगरानी में इंस्पेक्टर कमलेश कुमार के नेतृत्व वाली एंटी-नारकोटिक्स सेल लगातार नशा एवं अवैध शराब के कारोबार पर कार्रवाई कर रही है पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर 27 जुलाई को एसआई प्रेम नारायण, एसआई नवीन कुमार, हेड कांस्टेबल जयभगवान, हेड कांस्टेबल महिपाल, कांस्टेबल राहुल और



कांस्टेबल मुकेश की टीम ने यूईआर-2 सर्विस रोड, साईं मॉडर, नजफगढ़ के पास घेराबंदी कर एक टाटा एस टेंपो को रोक लिया। तलाशी के दौरान टेंपो में बने गुप्त चेंबर से 80 पेटियों में भरी अवैध देसी एवं अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पृछताछ में चालक की पहचान 29 वर्षीय नरेश, पुत्र गोवर्धन, निवासी जे.जे. कॉलोनी, सेक्टर-24, रोहिणी, दिल्ली के रूप में हुई। इस संबंध में थाना नजफगढ़ में एफआईआर संख्या 338/2026 के तहत दिल्ली आवकारी अधिनियम की धाराओं 33, 38 और 58(डी) में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस पृछताछ में आरोपी ने बताया कि

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी दिल्ली।

पूर्वी जिला के थाना प्रीत विहार पुलिस ने गश्त के दौरान सतर्कता दिखाते हुए एक सड़िंध युवक की चोरी की स्कूटी के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे कुछ ही दूरी पर दबोच लिया। पुलिस द्वारा पृछताछ और वाहन की जांच करने पर पता चला कि बरामद स्कूटी थाना लक्ष्मी नगर में दर्ज वाहन चोरी के एक मामले से संबंधित है। इसके बाद आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के खिलाफ जमानती वारंट जारी

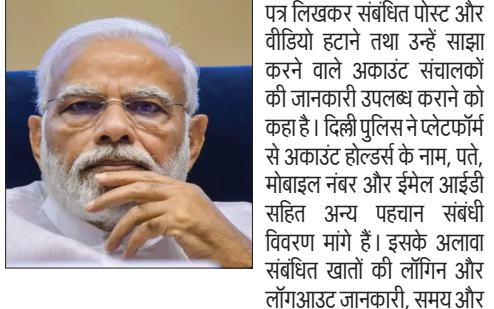
बजरंग दल पर की थी कथित टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ पंजाब के संगरूर की एक अदालत ने जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। अदालत ने उन्हें 19 सितंबर 2026 तक व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है। यह वारंट 15,000 रुपये का जमानती वारंट है। यदि निर्धारित तिथि तक वे अदालत में उपस्थित नहीं होते हैं, तो उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया जा सकता है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र में बजरंग दल की तुलना राष्ट्र-विरोधी और प्रतिबंधित संगठनों से की गई थी, जिससे संगठन की प्रतिष्ठ को नुकसान पहुंचा। शिकायतकर्ता ने इस मामले में 100 करोड़ रुपये के मानहानि दावे का भी उल्लेख किया है। फिलहाल मामला न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है और अगली सुनवाई में अदालत खरगे की उपस्थिति तथा मामले की प्रगति के आधार पर आगे का निर्णय लेगी। यह मामला वर्ष 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान दिए गए एक बयान से जुड़ा है। चुनाव पंचाक के दौरान कांग्रेस के घोषणापत्र में

पीएम मोदी पर आपत्तिजनक पोस्टर मामले में दिल्ली पुलिस ने एक्स से मांगी जानकारी

-पोस्टर हटाने के साथ अकाउंट संचालकों का नाम, पता, मोबाइल नंबर और लॉगिन डिटेल देने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कथित आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणियों को लेकर दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने एक्स को



पर लिखकर संबंधित पोस्टर और वीडियो हटाने तथा उन्हें साझा करने वाले अकाउंट संचालकों की जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है। दिल्ली पुलिस ने प्लेटफॉर्म से अकाउंट होल्डर्स के नाम, पते, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी सहित अन्य पहचान संबंधी विवरण मांगे हैं। इसके अलावा संबंधित खातों की लॉगिन और लॉगआउट जानकारी, समय और

तारीख का रिकॉर्ड भी उपलब्ध कराने को कहा गया है। पुलिस ने एक्स से यह भी आग्रह किया है कि संबंधित पोस्टर और वीडियो से जुड़ी सभी जानकारीयों को भविष्य की जांच के लिए सुरक्षित रखा जाए। अधिकारियों का कहना है कि यह जानकारी जांच प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इससे पहले केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया कंपनी मेटा को प्रधानमंत्री मोदी से जुड़े एक वीडियो को लेकर नोटिस जारी किया था। हालांकि बाद में मेटा ने उस वीडियो को दोबारा बहाल कर दिया। दिल्ली पुलिस अब सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक सामग्री के स्रोत और उसे प्रसारित करने वाले लोगों की पहचान करने की दिशा में जांच आगे बढ़ा रही है।

आसपास स्थित कई आंदो पाटर्स सल्लावर इकाइयों में पानी भर गया, जिससे उत्पादन अस्थायी रूप से रोकना पड़ा। उद्योग जगत को अपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होने की भी चिंता है। उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश और भूस्खलन के कारण चारधाम यात्रा पर भी असर पड़ा है। यात्रा मार्गों पर मलबा आने और रास्ते अवरुद्ध होने के चलते प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर चारधाम यात्रा को दो दिनों के लिए स्थगित कर दिया है। वहीं चंपावत, बागेश्वर और टिहरी जिलों में कक्षा 1 से 12 तक के सभी विद्यालयों तथा आंगनवाड़ी केंद्रों को एहतियातन बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने, मौसम विभाग की चेतावनियों का पालन करने तथा नदी-नालों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक कई राज्यों में भारी से अत्यधिक भारी वर्षा का दौर जारी रह सकता है।



संभावना बनी हुई है।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कई जिलों में अत्यधिक वर्षा की आशंका को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया गया है। प्रशासन को सतर्क रहने और संभावित बाढ़ व जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां करने के

निर्देश दिए गए हैं। कई नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी की भी आशंका जताई गई है। भारी बारिश का असर औद्योगिक गतिविधियों पर भी दिखाई दे रहा है। गुजरात में लगातार बारिश और बाढ़ जैसी स्थिति के कारण देश की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स के साणंद संयंत्र सहित



आरोपी की तलाशी के दौरान दोपहिया वाहनों के लॉक तोड़ने में इस्तेमाल होने वाली विशेष रूप से संशोधित मास्टर-की भी बरामद हुई। पुलिस का मानना है कि आरोपी इस मास्टर-की की मदद से दोपहिया वाहनों की चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। फिलहाल पुलिस आरोपी से गहन पृछताछ कर रही है ताकि उसके आपराधिक नेटवर्क, पूर्व में की गई वाहन चोरी की घटनाओं तथा अन्य संभावित साथियों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। मामले में आगे की जांच जारी है।

केंद्र सरकार राजनीतिक हित के लिए सुप्रीम कोर्ट का इस्तेमाल न करे: सीजेपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांकोरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि केंद्र सरकार अपने राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट का इस्तेमाल नहीं कर सकती और न ही अदालत के आदेशों को अपने फायदे के लिए हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर सकती है। सौरव दास ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर और सुप्रीम कोर्ट के अंतिम आदेश को लेकर सरकार पर निशाना साधा।

सीजेपी प्रवक्ता दास ने कहा कि प्रदर्शनकारियों के संबंध में देश के सामने सार्वजनिकवाद का दायि जमा था, जिसका सम्मान होना चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की कि शांतिपूर्ण आंदोलन में शामिल लोगों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर तुरंत वापस ली जाएं और अपने आक्षासनों पर अमल करे। सीजेपी प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि यदि कोई वास्तविक अपराधी खुलेआम घूम रहा है, तब पुलिस को कानूनी प्रक्रिया के तहत अदालत का इख करना चाहिए,

लेकिन इस तरह के मामलों को आधार बनाकर सभी एफआईआर को आगे बढ़ाना गलत है। उनके अनुसार, इससे शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को भी कार्रवाई के दायरे में लाया जा सकता है और सरकार को मिली इस तरह की छूट भविष्य में दुरुपयोग का कारण बन सकती है।

सौरव दास ने कहा कि युवाओं को यह स्थिति स्वीकार नहीं होगी। उन्होंने दावा किया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल छात्र और युवा लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज

उठा रहे थे और उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। सीजेपी उन सभी प्रदर्शनकारियों के साथ मजबूती से खड़ा है, जिन्होंने अपने और देश के भविष्य से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलन में हिस्सा लिया। उन्होंने सरकार से प्रदर्शनकारियों से किए गए सार्वजनिक वादों को पूरा करने और

एफआईआर वापस लेने सहित सभी आक्षासनों को लागू करने की अपील की, चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर युवाओं में अस्तेपन्न और बढ़क सकता है।



मुख्य सचिव और सी.एम सीएम नायब सैनी ने साझा किए संघर्ष के अनुभव

पंचकूला में नायब बोले- खर्ची-पर्ची का दौर खत्म, नौकरी नहीं; जनसेवा का संकल्प ले

हरियाणा (एजेन्सी)।

हरियाणा सरकार ने हाल ही में नियुक्त हुए गुप्त-डी के कर्मचारियों के लिए पंचकूला के सेक्टर-3 स्थित ताऊ देवी लाल स्टेडियम में राज्य स्तरीय इंडक्शन प्रोग्राम चल रहा है। कार्यक्रम में सीएम नायब सैनी बतौर मुख्यातिथि शामिल हुए हैं। हरियाणा के मुख्य सचिव ने गुप्त डी के लिए चयनित कैडिडेट को अपना किस्सा सुनाया। अनुगत रस्तोगी ने कहा कि मैंने IAS एग्जाम के दो अटैम्प्ट किए। प्री और मैसेस दो दोनों बार क्लियर किया, लेकिन इंटरव्यू में इतने नंबर काफ़ी नहीं आए कि IAS या अलाइड सर्विस में शामिल हो सकूँ। अपनी इंजीनियरिंग की पढ़ाई के चलते सेना की इंजीनियरिंग सर्विस में शामिल हो गया। वहां पर कर्नल रविंद्र को जब पता

लगा कि मैंने दो बार कअर का प्रयास किया है, तो उन्होंने मुझसे कहा कि कितनी बार परीक्षा दे सकते हैं। मैंने उन्हें बताया कि 3 बार कर सकते हैं। उन्होंने मुझे आखिरी प्रयास करने के लिए भी कहा। मैंने करने कि अब उतनी हिम्मत नहीं बची है।

कर्मल ने मुझे एक शेर सुनाते हुए हिम्मत दी, जिसके बाद मैंने अंतिम प्रयास किया और परीक्षा

झैक करते हुए कअर के लिए चुना गया। 36 साल की नौकरी अव तक मैं कर चुका हूँ और रिटायरमेंट के नजदीक हूँ, इसलिए आप सभी भी अच्छा करने का प्रयास करेंगे और अपनी टीम का मनोबल कभी गिरने नहीं देंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम नायब सैनी ने कहा कि आप सभी के नवनियुक्त साथियों के बीच मुझे जाकर के बहुत ही

गर्व की अनुभूति महसूस हो रही है। हरियाणा के हजारों परिवारों की आंखों में आज उजाला है। आपके हाथ में जो नियुक्ति पत्र है, आपकी मेहनत का यह सम्पना है। आपके माता-पिता की यह तस्वीर का परिणाम है और ईमानदार व्यवस्था में आपका विवास की यह जीत है। आपके परिवारों में उत्सव का माहौल है, मैं चाहता हूँ यह उत्सव केवल नौकरी मिलने तक सीमित न रहे बल्कि यह जन सेवा का संकल्प लेने का यह उत्सव बने। 13056 युवाओं को मिली चुप डी की नौकरी अपनी मेहनत अपनी प्रतिभा के बल पर सरकारी नौकरी प्राप्त करने वाले सभी 3056 जवान साथियों का आज जो ग्रुप डी की इस नौकरी में आपका सिलेक्शन हुआ है। सभी को अपनी ओर से अभिन्नंदन भी करता हूँ आप

सबका वंदन भी करता हूँ। मुझे यह बात याद आ रही है कि हर ख्याब को हर ख्याब को हकीकत मिली, हर ख्याब को हकीकत मिली है, हर आँख में उजाला है। साक्ष्यो महानत करने वाले हर युवा का अब अपना बुलंद सितारा है। यहाँ पर खची चली न पर्वी, ईमानदारी से नौकरी मिली है। पंजाब में हर राज हो रहे पेपर लीक सीएम नाजब सैनी ने कहा कि कुछ समय पहले नीट पेपर लीक पर आंदोलन हुआ। आंदोलन में कांग्रेस व उसके सहयोगी पार्टी आप शामिल थे, लेकिन आप की सरकार में पंजाब में हर राज पेपर लीक हो रहे हैं। स्टेट बैंक नाम का कैडिडेट भी पास हुआ है। युवाओं के साथ किस प्रकार से धोखा किया जा रहा है। युवाओं को ये लोग रास्ते से भटकाने का काम कर रहे हैं।

सोनीपत में सी.एम विंडो के नए आदेश का विरोध



दशक सेना भारत और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने बुधवार को मुम्बई संघीय न्यायालय पहुंचकर मुख्यमंत्री विंडो (CM Window) पर लॉबिड शिकायतों के निस्तारण से जुड़े नए प्रशासनिक आदेश का विरोध किया संगठन के प्राधिकारियों ने डीसी के माध्यम से सीएम के नाम ज्ञापन सौंपते हुए मांग की, कि उस आदेश को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए, जिसके तहत वर्षों से लॉबिड शिकायतों को केवल एमिनेंट सदस्य के हस्ताक्षर के आधार पर बंद किए जाने की व्यवस्था की गई है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यदि बिना वास्तविक समाधान के शिकायतें बंद की गईं, तो इससे आम नागरिकों का न्याय व्यवस्था और प्रशासन पर भरोसा कमजोर होगा।

संगठन ने चेतावनी दी, कि यदि जल्द संकरात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो इसे मुद्रों को राख सरकार और संबंधित मंत्रियों के समक्ष भी प्रमुखता से उठाया जाएगा।

रक्षक सेना भारत के प्रमुख मंत्रीजी तिहाड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री विंडो आम नागरिक के लिए न्याय पाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि एमिनेंट सदस्य का पद केवल औपचारिक हस्ताक्षर करने

के लिए नहीं, बल्कि जनता व समस्याओं के समाधान व जिम्मेदारि निभाने के लिए बनाया है। इसका कहना था कि यों बिना जमीनी स्तर पर समाधान के शिकायतें बंद की गईं तो इस जनता का विश्वास टूटेगा और ई पक्ष के उद्देश्य पर भी सवाल खड़े होंगे। आदेश पर चार प्रमुख आपत्तियाँ रखीं ज्ञापन में संगठन के लिए इस आदेश से लापरवाह अधिकारियों और कर्मचारियों व जवाबदेही समाप्त हो जाएँगी। शिकायतों का वास्तविक समाधान किए बिना उन्हें बंद करना जहाँही के खिलाफ है। संगठन ने यह आरोप लगाया कि इससे यों लंबित मामलों में जिम्मेदार अधिकारियों को संरक्षण मिलेगा और मुख्यमंत्री विंडो व विश्वसनीयता प्रभावित होगी। प्रतिनिधियों ने कहा कि एमिनेंट सदस्यों का दायित्व केवल फ़ाइल बंद करना नहीं, बल्कि शिकायतों का निष्पक्ष और प्रभाव समाधान सुनिश्चित करना है। राक्षस सेना भारत ने मांग की कि विवादित आदेश को तत्काल वापस लिया जाए। साथ ही मुख्यमंत्री विंडो पर लंबित सभी शिकायतों की जाँच के लिए एक स्वतंत्र समीक्षा समिति गठित की जाए।

सोनीपत में बिजली कर्मियों का निजीकरण के खिलाफ प्रदर्शन

सोनीपत (एजेंसी)। हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर संयुक्त संघर्ष मोर्चा के बैनर तले बुधवार को सोनीपत में बिजली कर्मचारियों और अभियंताओं ने निजीकरण की नीतियों के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। शहर के अलग-अलग स्थानों से पैट्रोल मार्च



निगमों में पुनर्गठन के समय सुधार
और लाभ का दावा किया गया था,
लेकिन स्थिति बेहतर होने के बजाय
विभागीय घाटा लगातार बढ़ा है।
कर्मचारियों ने हरियाणा एग्री-
डिस्कम बनाने की प्रस्तावित
योजना, गुरुग्राम और नूंह में निजी
बिजली वितरण लाइसेंस तथा स्मार्ट
मीटर लगाने की प्रक्रिया को तत्काल
प्रभाव से रह करके की मांग की है।
उनका कहना है कि कृषि फीडर्स
की व्यवस्था पहले से अलग है,
इसलिए नई कंपनी बनाने की
आवश्यकता नहीं है।संतुष्ट संसर्प
मोर्चा ने कहा कि विभाग के
अधिकारी और कर्मचारी लंबे समय

से अपनी न्यायोचित मांगों की अदेखी से परेशान है। कई वीर की बातचीत और जापनों के बावजूद सरकार की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया इसी कारण संसदमयित से 11, 12 और 13 अगस्त को प्रदेशभर में तीन दिवसीय पूर्ण हड़ताल करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि सरकार एग्री करके गेटन की अधिसूचना जारी इस्कॉ है तो यही जापनों आनिश्चितकालीन हड़ताल का अग्रिम नोटिस माना जाएगा। संघष मोर्चायें ने रखी प्रमुख मांगों, संघष मोर्चा ने मांग पत्र में पुरानी

यमुनानगर की नहर में डूबे दोनों **युवकों के मिले शव**

यमुनानगर (एजेंसी)। बुड़िया स्थित के हुमान गेट क्षेत्र के रहने वाले थे से मिला, जबकि दूसरे युवक रोजित के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। तीन दोस्त बुड़िया के पास पश्चिमी यूपी के दौरान एक युवक गहरे पानी में चूब गए। तीसरा साथी शोर मचाते हुए बुला गया, लेकिन अंधेरा होने के कारण सुराग नहीं लगा। सोमवार को अमित क उड़ी क्षेत्र में पहुंच गया। जहां मंगलवार को उ

श्रीमती यमुना नहर में शनिवार शाम न
नौर शादीशुदा होने के साथ दो-दो ब
ग शव बहते हुए इंद्री के पास पहुंच
र बाद में दोनों के पास परजिनों को
ना नहर में नहाने गए थे। इनमें अमित
ग गया और डूबने लगा। उसे बचाने
बाह्य निकला और आसपास के लो
रात सब अभियान शुरू नहीं हो सका। चा
ग शव चिट्ठा मॉर के पास नहर से बरामद हु
ग शव मिलने के बाद आज ब्रह्मदू

सोनीपत विधानसभा क्षेत्र में 72% एन्यूमरेशन पूरा

एसडीएम ने ली बीएलओ- सुपरवाइजर की मीटिंग, 31 जुलाई को आएगी प्रारूप मतदाता सूची

सोनीपत (एजेंसी)। विधानसभा क्षेत्र के रिटनिंग अधिकारी (आरओ) एवं एसडीएम सुभाष चंद्र ने मंगलवार को सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (एएआरओ), सुपरवाइजरों और बूथ लेवल अधिकारियों (बीओएल) के साथ बैठक की। इस बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार सभी कार्य-निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाएं। एसडीएम सुभाष चंद्र ने बताया कि सोनीपत विधानसभा क्षेत्र में एन्यूमरेशन फॉर्म भरवाने का लगभग 72 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। अब तक कुल 2 लाख 56 हजार एन्यूमरेशन फॉर्म वितरित किए गए हैं, जिनमें से 1 लाख 84 हजार फॉर्म प्राप्त हुए हैं।



उन्होंने यह भी जानकारी दी कि प्रारूप मतदाता सूची 31 जुलाई को प्रकाशित की जाएगी। दावों और आपत्तियों के निस्तारण के बाद, अंतिम मतदाता सूची 30 अक्टूबर को जारी होगी। उन्होंने सभी बीएलओ को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नोटिस वितरण कार्य में तेजी लाएं। नोटिस जारी करते समय संबंधित मतदाताओं को आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए, ताकि



निर्वाचन आयोग की निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार ही भरे जाएँ। आवश्यकता पड़ने पर विभिन्न राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएएफ) से भी समन्वय स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि यदि कोई बीएलओ फोल्ड में कार्यरत है तो एड्आरओ के साथ समन्वय स्थापित कर सुनवाई संबंधी कार्य भी पूर्ण कर सकते हैं। यदि किसी मतदाता के नाम अथवा अन्य विवरण में कोई त्रुटि रह गई है तो

भौतिक सत्यापन कर घोषणापत्र के माध्यम से उसे संशोधित किया जा सकता है। इसके लिए संबंधित ईआईआर ओ द्वारा फोटो एवं उपस्थिति का सत्यापन अनिवार्य होगा। प्रत्येक सुरप्रवाहजर के साथ जोड़ा जाएगा एक ग्लूड डी कर्मचारी एसडीएम ने बताया कि कार्यों के प्रभाव एवं समयबद्ध निष्पादन के लिए प्रत्येक ईआईआर ओ के साथ दो अतिरिक्त सदस्यों तथा प्रत्येक सुरप्रवाहजर के साथ एक ग्रुप-डी कर्मचारी को

संक्षिप्त डायरी

हिसार में मिले चार नए नशा पीड़ित



हिसार (एसेंसी)। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्त हिस्सर अभियान को लगातार जनसमर्थन मिल रहा है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के नेतृत्व में जिलेभर में नशे के खिलाफ जागरूकता, उपचार और पुनर्वास कार्य का अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। थाना इलाका क्षेत्र के भैंसी बादशाहपुर, बुढ़ा खेड़ा और उकलाना मंडी में विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें ग्रामीणों, युवाओं, महिलाओं और विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया गया। भैंसी बादशाहपुर के दादा खेड़ा मंदिर चौक में आयोजित कार्यक्रम में करीब 70 ग्रामीणों ने भाग लिया। हिस्सर पुलिस की नशा मुक्ति टीम और पुलिस विभाग से रिटायर सब-इंस्पेक्टर धर्मपाल ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्त के साथ-साथ पूरे परिवार और समाज को बर्बादी की ओर ले जाता है। इन्होंने युवाओं से शिक्षा, खेल और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया तथा ग्रामीणों से नशा तस्करी के खिलाफ खुलकर पुलिस का सहयोग करने की अपील की। इस दौरान पुलिस टीम ने गांव के सरपंच, ग्रामीणों, नशा पीड़ितों और उनके परिजनों से मुलाकात कर उन्हें उपचार के लिए प्रेरित किया। साथ ही क्षेत्र में सक्रिय नशा तस्करी के संबंध में महत्वपूर्ण सूचनाएं भी जुटाई गईं। टीम ने लोगों को नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक दुष्परभावों को विस्तर से जानकारी देते हुए समाज की सहभागिता से नशामुक्त वातावरण तैयार करने का संदेश दिया। इस नशा पीड़ितों की घर जाकर दी गई दवाई। इस पीड़ित जैन ने बताया कि अभियान के दौरान जिले में चार नए नशा पीड़ितों की पहचान की गई। इनमें से एक व्यक्ति को नागरिक अस्पताल हिस्सर से एलोगीजिक और आयुर्वेदिक दवाइयों उपलब्ध करावाई गईं। इसके अलावा 10 नशा पीड़ितों को पहली बार उनके घर जाकर दी गई दवाई। उपलब्ध कराई गई, जबकि 9 अन्य पीड़ितों को दूसरी बार नशा मुक्ति केंद्र से उपचार और दवाइयां दिलवाई गईं। इन्होंने बताया कि कुल 20 नशा पीड़ितों को घर-घर जाकर दवाइयां उपलब्ध कराने का संदेश स्वस्थ परिणाम, ब्लड टेस्ट और काउंसलिंग भी करावाई गई, ताकि वे नशे की लत से स्थायी रूप से बाहर निकल सकें। अभियान की सबसे बड़ी सकारात्मक उपलब्धि यह रही कि पुलिस टीम की प्रेरणा से एक नशा पीड़ित ने स्वेच्छे से नागरिक अस्पताल के नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती होकर उपचार शुरू कर दिया। इसी सिद्धांत जैन ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई के महत्व पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। हिस्सर पुलिस का उद्देश्य न केवल नशा तस्करी पर सख्त कार्रवाई करना है, बल्कि नशे की गिरफ्त में आए लोगों को उपचार, परामर्श और पुनर्वास प्रदान करने के माध्यम से समाज की मुख्यधारा से जोड़ना भी है। उन्होंने अंजमन से अपील की कि यदि कहीं भी नशे की बिक्री, तस्करी या सेवन की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें तथा अपने परिवार और आसपास के युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करें, ताकि समाजिक प्रयासों से नशा मुक्त, सुरक्षित और स्वस्थ हिस्सर का निर्माण किया जा सके।

लव मैरिज के 7 साल बाद विवाहिता ने पिया तेजाब



हरियाणा (एजेंसी)। औद्योगिक नगरी पानीपत की वधावराम कॉलोनी में प्रेम विवाह के बाद पति की प्रताड़ना, नशे की लत और आए दिन होने वाली मारपीट से तंग आकर एक 28 वर्षीय विवाहिता ने ज्वनशील पदार्थ (गैंगबी) पी लिया। गंभीर हालत में उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतका की पहचान नेहा के रूप में हुई है, जो दो बच्चों की माँ थी। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर पुरा हाल है। मृतका के परिजनों ने पति पर गंभीर आरोप लगाए हुए सख्त से सख्त सजा देने की माँग की है पानीपत के खिलाफ की थी लव मैरिजजनकारी देते हुए मृतका नेहा की बहन सोनिया और जीजा सौरभ ने बताया कि करीब 7 साल पहले नेहा ने वधावराम कॉलोनी के रहने वाले गौरव उर्फ गौरी (30) के साथ लव मैरिज का था। बहन सोनिया ने रुहे गले से बताया, गौरव पहले से ही नशे का आदी था। शादी के कुछ समय बाद ही आरोपी पति गौरव का असली चेहरा सामने आने लगा। वह कोई काम-काज नहीं करता था और दिन-रात शराब के नशे में धुत रहता था। घर का खर्च चलाने के लिए नेहा को खुद दूसरी के घरों में झाड़ू-पोछा और बर्तन धोने का काम करना पड़ता था। सोनिया ने बताया कि गौरव ने केवल नेहा के साथ मारपीट करता था, बल्कि उसे मानसिक और शारीरिक रूप से अमानवीय यानाएँ (टॉर्चर) देता था। वह नशे की हालत में कम्परे के अंदर ही शौच आदि कर देता था। जब परिजनों ने नेहा को इस तरह भरी जिंदगी से बाहर निकलने और गौरव को छोड़ने की सलाह दी, तो नेहा लाचार होकर यही कहती थी कि मैंने ये किस्मत का लिखा है दहेज और शराब के लिए मेरी की माँ मुझको के जीजा सौरभ ने बताया कि गौरव अक्सर शराब पीने और अन्य बच्चों के लिए नेहा से पैसों की माँग करता था तथा दहेज को लेकर प्रताड़ित करता था। इससे पहले भी पति-पत्नी के विवाद को लेकर कई बार स्थानीय पुलिस थाने में शिकायत दी गई थी, लेकिन हर बार परिजनों और गणपथी लोगों के हस्तक्षेप के बाद दोनों के बीच समझौता करा दिया जाता था। गौरव ने बताया कि गौरव विल्डिंग का काम जानता था, लेकिन नशे की लत के कारण वह काम पर नहीं जाता था और केवल पैसों के लिए नेहा को प्रताड़ित करता रहता था। पति की रोज-रोज की प्रताड़ना और अमानवीय व्यवहार से आहत होकर आखिरकार नेहा ने घर में रखा तेजाब पी लिया।

बहादुरगढ़ में अवैध हथियार समेत युवक काबू

झुज्जन(एजेसी)। जिले के बहादुरगढ़ में सीआईए- की टीम ने एक युवक को अवैध देसी अप्रैलों और 2 जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया सीआईए-1 बहादुरगढ़ प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि 28 जुलाई को पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि सेक्टर-13 स्थित ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में एक युवक अवैध हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना के आधार पर टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध युवक को काबू कर लिया। पूछताछ में आरोपी को पहचान टोनी निवासी गांव दोडुवा, जिला सोनीपत के रूप में हुई।

संक्षिप्त समाचार

छुट्टा पशु से टकराई कार, एयरबैग खुलने से चार सवार बचे

गोरखपुर, एंजेसी। पीपीगंज थाना क्षेत्र के गोरखपुर–सोनौली मार्ग पर सोमवार रात छुट्टा पशु से टकराकर एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार चार लोग बाल–बाल बच गए। गनीमत थी कि कार का एयरबैग खुल गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, कानपुर निवासी चार लोग कार से महाराजगंज जिले के नौतनवा जा रहे थे। रात करीब नौ बजे उनकी कार जंगल कीड़िया टोला प्लाजा के पास पहुंची, तभी अचानक सड़क पर आए छुट्टा गोवंश से कार की टक्कर हो गई। चालक ने पशु को बचाने का प्रयास किया, लेकिन कार अनियंत्रित होकर क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पीपीगंज पुलिस मौके पर पहुंची और सड़क पर जुटी भीड़ को हटाकर दुर्घटनाग्रस्त कार को किनारे कराया। इसके बाद यातायात व्यवस्था सामान्य हुई। पुलिस के अनुसार कार में सवार सभी चार लोग सुरक्षित हैं। किसी की गंभीर चोट नहीं आई। सभी ने पास के निजी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर प्राथमिक उपचार कराया।

संदिग्ध हालात में खेत में पड़ा मिला युवक का शव, फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

गोरखपुर, एंजेसी। बड़हलगंज थाना क्षेत्र के बैरियाखास गांव में सोमवार सुबह एक खेत में 35 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से क्षेत्र से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान केवटान टोला निवासी मिथिलेश साहनी (35) पुत्र रामसमुझ के रूप में हुई है। ग्रामीणों के मुताबिक, रविवार रात करीब साढ़े 10 बजे मिथिलेश को बैरियाखास–पिडहनी मार्ग के किनारे देह देखा गया था। सोमवार सुबह उसी मार्ग के पास स्थित एक खेत में उनका शव पड़ा मिला। बड़हलगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच की जा रही है। अब पुलिस की नजर पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर है। परिजन के अनुसार, मिथिलेश अपने पिता रामसमुझ की पहली पत्नी से जन्मे तीन बच्चों में सबसे बड़े थे। पहली पत्नी के निधन के बाद मिथिलेश के पिता ने दूसरी शादी की है। मिथिलेश अपनी पत्नी और बेटे के साथ मुंबई रहते थे। बताया जा रहा है कि वहां नशे की लत लग गई, जिसके बाद मिथिलेश को घर लाया गया। उनकी पत्नी बेटे को पढ़ाने के लिए बीते जून माह में वापस मुंबई चली गई। परिजन का कहना है कि गांव आने के बाद भी मिथिलेश मशीनें पदार्थों का सेवन करते थे। एसपी साउथ दिनेश कुमार पुरी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

केजीएमयू में फिर से हेपेटाइटिस बी-सी वायरल लौड जांच टप

लखनऊ, एंजेसी। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में फिर से हेपेटाइटिस वायरल लोड की जांच टप हो गई है। किंग ज होने के कारण मरीजों को जांच के लिए निजी केंद्रों पर जाना पड़ रहा है, जहां उन्हें महंगी दर पर जांच करनी पड़ रही है। करीब दो महीने पहले भी संस्थान में यह संकट आया था। केजीएमयू में रोजाना करीब 40 से 50 मरीजों को हेपेटाइटिस वायरल लोड जांच लिखी जाती है। नोडल सेंटर होने के कारण कई अन्य जिलों से भी सैपल जांच के लिए यहां आते हैं। ऐसे में लैब में रोजाना 70 से 90 सैपल की जांच होती है। जांच के लिए एनएचएम से बजट मिलता है। बजट काफ़ी समय से नहीं मिलने के कारण जांच किट खत्म हो गई है। इसके चलते ओपीडी में सैपल कलेक्शन पर रोक लगा दी गई है। विभागों से भी सैपल न लेने के निर्देश जारी किए गए हैं। चिकित्सकों के मुताबिक, हेपेटाइटिस बी और सी के मरीजों के लिए वायरल लोड जांच बेहद जरूरी है। इसी रिपोर्ट के आधार पर डॉक्टर दवा की डोज तय करते हैं और इलाज की निगरानी करते हैं, मगर अब जांच फिर टप हो गई है। मरीजों को मजबूरी में 2500 से 3500 रुपये देकर निजी थैथ लैब में जांच करानी पड़ रही है। केजीएमयू प्रवक्ता डॉ. केके सिंह के मुताबिक, जांच किट की व्यवस्था काराकर अंगले माह से जांच शुरू कराई जाएगी, ताकि मरीजों को परेशानी न हो।

आवाज में बदलाव, निगलने में दिक्कत या गर्दन में गांठ को न करें नजरअंदाज

लखनऊ, एंजेसी। लखनऊ। विश्व हेड एंड नेक कैंसर दिवस पर कैंसर संस्थान में सोमवार को जागरूकता कार्यक्रम हुआ। डीन डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता ने बताया कि आधुनिक रेडियोथेरेपी और कीमोथेरेपी से हेड एंड नेक कैंसर का प्रभावी इलाज संभव है। उन्होंने मुंह में घाव, आवाज में बदलाव, निगलने में दिक्कत या गर्दन में गांठ जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करने की सलाह दी। संस्थान के निदेशक डॉ. एमएलबी भट्ट ने कहा कि हेड एंड नेक कैंसर के अधिकांश मामले तंबाकू और धूम्रपान से जुड़े होते हैं। तंबाकू से दूरी बनाकर और नियमित स्क्रीनिंग कराकर इस बीमारी को काफ़ी हद तक रोक जा सकता है। सजिकल ऑन्कोलॉजी विभाग की सीनियर रजिडेंट डॉ. प्रियंका ने आधुनिक सर्जरी की तकनीकों की जानकारी दी। रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग की डॉ. रूमती सिंह ने प्रश्नोत्तर सत्र का संचालन किया और मरीजों और उनके परिजनों की शंकाओं का समाधान किया।

गोवध मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार, नौहड़ील पुलिस की कार्रवाई

पशु क्रूरता और गोवध निवारण अधिनियम के मुकदमे में फरार चल रहे आरोपी को दबोचा

स्वदेश प्रेम / गिरीश कुमार मथुरा। थाना नौहड़ील पुलिस ने गोवध एवं पशु क्रूरता अधिनियम से संबंधित मुकदमे में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार 29 जुलाई 2026 को सुबह करीब 6:45 बजे टोली मोहल्ला की गली से लगभग 100 मीटर आगे बाजना कट की ओर से चांद पुत्र यामोन, निवासी टोली मोहल्ला, कस्बा एवं थाना नौहड़ील, जिला मथुरा को गिरफ्तार किया गया। आरोपी थाना नौहड़ील में दर्ज मुकदमा संख्या 187/2026 में गोवध निवारण अधिनियम एवं पशु क्रूरता अधिनियम के तहत वांछित चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के विरुद्ध आवश्यक



विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश

किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके विरुद्ध थाना नौहड़ील में हत्या के प्रयास, मारपीट, अवैध, धमकी तथा गोवध निवारण अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। इसके अलावा अलीगढ़ जिले के थाना लोधा में भी उसके खिलाफ विस्कोर्ट अधिनियम एवं अन्य धाराओं में मामला दर्ज है। आरोपी की विरुद्ध उत्तर प्रदेश गुंडा अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की जा चुकी है। यह कार्रवाई थाना नौहड़ील के प्रभारी निरीक्षक अन्नेश कुमार सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक रजत गर्ग, कांस्टेबल दीपक चौधरी एवं कांस्टेबल राधास्वामी की टीम ने की। पुलिस का कहना है कि वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

त्योहारों से पहले गोण्डा पुलिस हाई अलर्ट: एसपी विनीत जायसवाल का सख्त संदेश— अपराधियों पर होगी निर्णायक कार्रवाई, कानून-व्यवस्था से कोई समझौता नहीं

स्वदेश प्रेम, रमजान अली

गोण्डा। आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए गोण्डा पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गई है। मंगलवार को पुलिस लाइन सभागार में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के साथ कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण तथा विभिन्न अभियानों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था भंग करने वालों, अफवाह फैलाने वालों और कानून हाथ में लेने वालों के विरुद्ध तत्काल एवं कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिसिंग के प्रत्येक अभियान में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की सर्वोच्च जिम्मेदारी होगी। बैठक में सबसे पहले यक्ष एप पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण किया जाए तथा पोर्टल को नियमित रूप से अपडेट रखा जाए। उन्होंने लंबित मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जताते हुए जिम्मेदारी तय करने के निर्देश भी दिए। इसके बाद थानों पर वर्षों से लंबित मुकदमाती, जब्त एवं लावारिस वाहनों तथा माल-मुकदमाती के विधिक निस्तारण की समीक्षा करते हुए सभी थाना प्रभारियों को विशेष अभियान चलाकर शोध कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

मुड़िया पूर्णिमा पर गोवर्धन में निकली भव्य संत शोभायात्रा, हरिनाम संकीर्तन से गुंजायमान हुआ धाम



स्वदेश प्रेम / रवि कुमार

गोवर्धन। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को गोवर्धन धाम में आस्था, भक्ति और सनातन परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। मुड़िया पूर्णिमा के अवसर पर मुड़िया संतों ने पारंपरिक शोभायात्रा निकाली, जिसमें ढप, ढोलक, मृदां, झांझ, मंजीरा और डफ की मधुर थाप पर हरिनाम संकीर्तन करते हुए संत श्रद्धा और उत्साह के साथ नगर भ्रमण पर निकले। शोभायात्रा के दौरान पूरा गोवर्धन धाम भक्ति रस में सराबोर हो गया। चकलेश्वर स्थित राधा-श्याम सुंदर मंदिर से महंत रामकृष्ण दास महाराज के निर्देशन में शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। यह यात्रा चकलेश्वर, दसविधा, हरिदेवजी मंदिर, दानघाटी मंदिर और बड़ा बाजार सहित प्रमुख मार्गों से होती हुई पुनः राधा-श्याम सुंदर मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई।

शोभायात्रा में गुरु के सम्मान में सिर मुंडवाए मुड़िया संत हरिनाम संकीर्तन करते हुए नृत्य कर रहे थे। वाद्य यंत्रों की गूंज से गिरिराज महाराज की तलहटी भक्तिमय वातावरण में ढूँढ गई। यात्रा के मार्ग में श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर संतों का भव्य स्वागत किया तथा दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुड़िया शोभायात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद रहा। सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए मार्ग पर पर्यटन पुलिस बल तैनात किया गया। इस दौरान सीओ गोवर्धन, थाना प्रभारी गोवर्धन सहित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में साधु-संत, श्रद्धालु एवं स्थानीय नागरिक शामिल हुए, जिससे पूरा गोवर्धन धाम भक्तिमय उल्लास से सराबोर दिखाई दिया।

उतरौला में बाल विकास सेवाओं को मिली नई उड़ान, 21 आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को मिला नियुक्ति पत्र

रिकॉर्ड समय में पूरी हुई चयन प्रक्रिया, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण और प्रारंभिक बाल्य शिक्षा सेवाएं होंगी और अधिक सशक्त

स्वदेश प्रेम, रमजान अली बलरामपुर जनपद बलरामपुर में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण तथा प्रारंभिक बाल्य शिक्षा सेवाओं को नई गति देने की दिशा में जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जिलाधिकारी श्री विपिन कुमार जैन के निर्देशन में विकास भवन सभागार में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम के दौरान मुख्य विकास अधिकारी श्री हिमांशु गुप्ता ने नगर पालिका परिषद उतरौला के अंतर्गत चयनित 21 आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर नव नियुक्त कार्यकर्त्रियों को जनसेवा, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संदेश भी दिया गया। नगर पालिका परिषद उतरौला में बाल विकास परियोजना को शासन से स्वीकृति मिलने के बाद जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रिकॉर्ड समय में चयन एवं नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर एक नई मिसाल पेश की। इस पहल से शहरी क्षेत्र में मातृ एवं शिशु पोषण, प्रारंभिक बाल्य शिक्षा तथा महिला एवं बाल

विकास विभाग की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का मार्ग और अधिक सशक्त हो गया है। अब नगर क्षेत्र के प्रत्येक पात्र परिवार तक समेकित बाल विकास सेवाओं की पहुंच अधिक व्यवस्थित, प्रभावी और पारदर्शी ढंग से सुनिश्चित की जा सकेगी। मुख्य विकास अधिकारी श्री हिमांशु गुप्ता ने नव नियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और समाज के अंतिम व्यक्ति के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों की निष्ठा, गोवधनशीलता और सक्रियता ही मातृ एवं शिशु कल्याण योजनाओं की सफलता का आधार है। उन्होंने सभी कार्यकर्त्रियों से पूरी ईमानदारी, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल पोषण वितरण का माध्यम नहीं, बल्कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, प्रारंभिक बाल्य शिक्षा और



महिला सशक्तिकरण का मजबूत आधार हैं। प्रत्येक गर्भवती महिला, धात्री माता तथा छह वर्ष तक के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना, कुपोषण को समाप्त करना तथा स्वस्थ समाज के निर्माण में सक्रिय

योगदान देना प्रत्येक कार्यकर्त्री का प्रमुख दायित्व है। इसके अलावा हाईवे एवं एक्सप्रेस-वे पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है, जबकि सादी वर्दी में पुलिसकर्त्रियों की भी तैनाती की गई है ताकि संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सके और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम वातावरण उपलब्ध कराया जाए। मेले की निगरानी अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरों और कंट्रोल रूम के माध्यम से

चौबीसों घंटे की जा रही है। गोवर्धन, मथुरा, वृंदावन और महावन सहित पूरे मेला क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। इसके अलावा हाईवे एवं एक्सप्रेस-वे पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है, जबकि सादी वर्दी में पुलिसकर्त्रियों की भी तैनाती की गई है ताकि संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सके और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम वातावरण उपलब्ध कराया जाए। मेले की निगरानी अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरों और कंट्रोल रूम से अधिकारी लगातार भीड़, यातायात और सुरक्षा व्यवस्था की



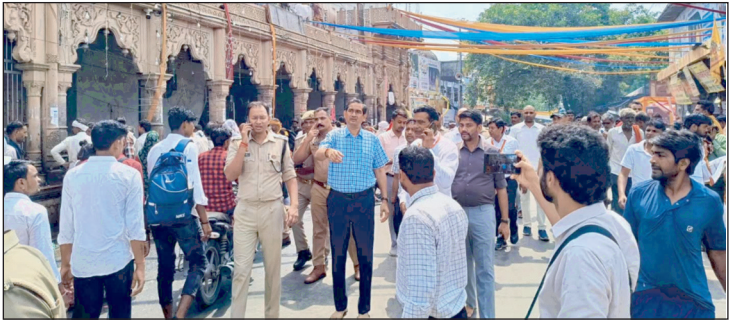
विरुद्ध विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना पुलिस की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। त्योहारों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पुलिस अधीक्षक ने सभी क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील क्षेत्रों का लगातार भ्रमण करने, शांति समिति एवं पीस कमेटी की बैठकें आयोजित करने, धर्मगुरुओं एवं संभ्रांत नागरिकों से नियमित संवाद बनाए रखने तथा सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक एवं भड़काऊ सामग्री पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने अथवा अफवाह फैलाने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध तत्काल कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो टीमों को पूरी सक्रियता से कार्य करने के

निर्देश दिए गए। साथ ही धार्मिक स्थलों, बाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं अन्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, लगातार पैदल गश्त, सघन वाहन चेकिंग तथा प्रभावी ट्रैफिक प्लान लागू करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में अपराधियों के विरुद्ध जनपद पुलिस की कार्रवाई का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए बताया गया कि 01 जनवरी 2026 से अब तक गैंगस्टर एक्ट के तहत 12 अभियोगों में 48 अभियुक्तों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। आठ नए अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोली गई है तथा गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के अंतर्गत सात मामलों में अपराध से अर्जित 91 लाख 46 हजार 585 रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त की गई है। इसके अतिरिक्त 83 अभियुक्तों के विरुद्ध गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई तथा नौ सक्रिय गिरोहों का गैंग पंजीकरण कर अपराध जगत पर प्रभावी शिकंजा कसा गया है।

बैठक के अंत में पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि आगामी त्योहारों के दौरान पूरी सतर्कता, अनुशासन, समन्वय और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि जनपद का प्रत्येक नागरिक भयमुक्त, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार मना सके। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी अजीत कुमार रजक, अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी राधेश्याम राव, समस्त क्षेत्राधिकारीगण तथा जनपद के सभी थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

मुड़िया मेले में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद, श्रद्धालुओं की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता: डीएम व एसएसपी



स्वदेश प्रेम / गिरीश कुमार गोवर्धन। विश्व प्रसिद्ध मुड़िया पूर्णिमा मेले के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। बुधवार को मथुरा के जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने गोवर्धन मेला क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण कर सुरक्षा, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने द्यूटी पर तैनात पुलिसकर्त्रियों एवं संबंधित विभागों के कर्मचारियों को पूरी मुस्तैदी और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने कहा कि मुड़िया मेले में देश-विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम वातावरण उपलब्ध कराया जाए। मेले की निगरानी अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरों और कंट्रोल रूम के माध्यम से

चौबीसों घंटे की जा रही है। गोवर्धन, मथुरा, वृंदावन और महावन सहित पूरे मेला क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। इसके अलावा हाईवे एवं एक्सप्रेस-वे पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है, जबकि सादी वर्दी में पुलिसकर्त्रियों की भी तैनाती की गई है ताकि संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सके और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम वातावरण उपलब्ध कराया जाए। मेले की निगरानी अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरों और कंट्रोल रूम से अधिकारी लगातार भीड़, यातायात और सुरक्षा व्यवस्था की

मॉनिटरिंग कर रहे हैं तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। इस दौरान जिलाधिकारी ने भी कंट्रोल रूम से व्यवस्थाओं की समीक्षा की और श्रद्धालुओं से अपील की कि वे शांति एवं अनुशासन बनाए रखें, प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस या प्रशासन से संपर्क करें। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं ताकि मुड़िया पूर्णिमा मेला सफुल्ल और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।



**सिंगिंग में कदम
रखना आसान नहीं
था, सलमान ने
प्रेरित किया और
आत्मविश्वास बढ़ाया**

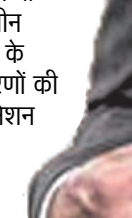
रोमानिया की मॉडल, सिंगर और एक्ट्रेस यूलिया वंतूर आज भारतीय मॉरमोजन जगत में जाना-पहचाना नाम हैं। हालांकि, भारत में उनकी पहचान अवसर सलमान खान के साथ जुड़ी खबरों से भी होती रही है, लेकिन यूलिया की अपनी एक अलग कहानी है। एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें खुद अपनी आवाज और हिंदी में गाने को लेकर भरोसा नहीं था उस दौर में सलमान खान ने उनकी क्षमता पर भरोसा जताया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए हौसला दिया। यूलिया ने खुद कई इंटरव्यू में बताया है कि सलमान के भरोसे ने उन्हें अपने टैलेंट को पहचानने में मदद की। यूलिया वंतूर का बचपन से ही उनका झुकाव गैरमर और मीडिया की दुनिया की तरफ था। उन्होंने महज 15 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू कर दी थी और धीरे-धीरे रोमानिया में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने न्यूज इनके के तौर पर भी काम किया। टीवी में उनके काम के लिए उन्हें कई सम्मान और पुरस्कार भी मिले। भारत आने के बाद यूलिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती नई भाषा और नई इंडस्ट्री थी। शुरुआत में लोग उन्हें सलमान खान से जुड़ी शख्सियत के तौर पर ज्यादा जानते लगे थे। यूलिया और सलमान खान की मुलाकात साल 2010 में डबलिन में हुई थी, जहां सलमान अपनी फिल्म 'बॉडीगार्ड' की शूटिंग कर रहे थे। इसके बाद दोनों की दोस्ती की चर्चा होने लगी। यूलिया ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनके लिए सिंगिंग में कदम रखना आसान नहीं था। उन्हें हिंदी में गाने को लेकर खुद पर विश्वास नहीं था। लेकिन, सलमान ने उनकी आवाज और मेहनत पर भरोसा किया। सलमान खान ने यूलिया को गाने के लिए प्रेरित किया और उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। इसके बाद यूलिया ने उनकी फिल्म 'राधे: येर मोस्ट वांटेड भाई' के गाने 'सीटीमर' में अपनी आवाज दी। इसके अलावा, उन्होंने कई अन्य म्यूजिक प्रोजेक्ट्स में भी काम किया और सिंगर के तौर पर अपनी पहचान बनाई। यूलिया ने अभिनय की दुनिया में भी कदम रखा। वह शॉर्ट फिल्म 'इकोज ऑफ अस' में नजर आई।



अक्षय की 'समुक्त' में एलियन के सूट डिजाइन पर खर्च होंगे करोड़ों

अक्षय कुमार की अपकमिंग साइस-फिक्शन फिल्म 'समुक' है। इसका बजट करीब 150 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। फिल्म को पहले अगस्त में पलोर पर ले जाने की तैयारी थी, लेकिन अब लंबे यूके शूट्यूट की लागत और कई विभागों के बजट की नई गणना के चलते प्रोड्यूसन प्लानिंग पर दोबारा काम हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक फिल्म का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा लंदन और स्कॉटलैंड में शूट किया जाएगा और यूके शूट्यूट की अवधि द्वाइ से तीन महीने रखी गई है। इसमें प्रिंसिपल फोटोग्राफी के साथ टेक्निकल रेकी, एक्शन ब्लॉकिंग, उपकरणों की आवाजाही और स्थानीय क्रू के साथ कोऑर्डिनेशन भी शामिल होगा।

कनिष्क वर्मा ही फिल्म का निर्देशन करेंगे, लेकिन डायरेक्शन टीम के सेडऑप में बदलाव की चर्चा है। सूत्रों के अनुसार मौजूदा टीम के कुछ सदस्य प्रोजेक्ट से अलग हो सकते हैं और नई प्रोफेशनल टीम को जोड़ने पर विचार चल रहा है। फिल्म के लिए हॉलीवुड के क्रिएचर-इफेक्ट्स आर्टिस्ट एलेक गिलिस फिल्म के एलियन पर काम कर रहे हैं। वहीं फिजिकल कॉस्ट्यूम और प्रैक्टिकल डिजाइन पर काम किया जा रहा है। इस पर कई करोड़ रुपए खर्च किया जा रहे हैं।



लंबे समय से दर्शकों के दिलों पर राज कर रही 'मिर्जापुर' फ्रेंचाइजी अब ओटीटी की दुनिया से निकलकर बड़े पर्दे पर दस्तक देने जा रही है। 'मिर्जापुर : द फिल्म' में एक बार फिर अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपने लोकप्रिय किरदार गोलू गुप्ता के रूप में नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेत्री ने अपने किरदार की यात्रा, फ्रेंचाइजी से जुड़े अनुभव और दर्शकों के प्यार को लेकर कई बातें साझा की। उन्होंने बताया कि गोलू का किरदार समय के साथ काफी बदल गया है और एक ऐसी लड़की से एक मजबूत महिला तक का सफर तय कर चुका है, जो सही और गलत की समझ से आगे बढ़ते हुए ताकत, दर्द, बदले और महत्वाकांक्षा जैसी भावनाओं से गुजरती है। श्वेता त्रिपाठी ने कहा, 'जब हमने करीब आठ साल पहले मिर्जापुर की शूटिंग शुरू की थी, तब हममें से किसी ने नहीं सोचा था कि यह सफर इतना लंबा और ख़ास होगा। एक कलाकार के तौर पर आप हमेशा चाहते हैं कि आपका काम लोगों तक पहुंचे, लेकिन बहुत कम ऐसा होता है जब कोई शो लोगों की बातचीत, मीम्स,

सेलिब्रेशन और उनकी भाषा का हिस्सा बन जाए।
मिर्जापुर में यह कर दिखाया।''

उन्होंने कहा, 'इस प्रवासीजी ने कलाकारों को ऐसी पहचान दी, जिसकी उन्होंने कलाकारों की नहीं की थी। दर्शकों ने सिर्फ कहानी को पसंद नहीं किया, बल्कि इसके किरदारों से गहरा जुड़ाव महसूस किया। लोग मुझे आज भी मेरे असली नाम से ज्यादा गोल्डू दीदी के नाम से पहचानते हैं।''

फिल्म के रूप में 'मिर्जापुर' के विस्तार को लेकर श्वेता ने कहा, 'यह सिर्फ एक सीरीज को बड़े पैर पर लाने की कोशिश नहीं है, बल्कि यह उन दर्शकों के प्यार का नतीजा है, जिन्होंने कई सालों तक इस कहानी और किरदारों को अपना माना। हर सीजन के बाद लोग और अपनी देखना चाहते थे, किरदारों पर चर्चा करते थे और अपनी-अपनी थ्योरी बनाते थे। कई मायनों में यह फिल्म जिनकी हमारी है, उसनी ही दर्शकों की भी है।''

श्वेता त्रिपाठी ने अपने किरदार गोल्डू गुप्ता के बदलाव को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, 'गोल्डू का सफर बेहद भावनात्मक रहा है। शुरुआत में गोल्डू एक ऐसी लड़की थी, जो सही और गलत की अपनी समझ के साथ आगे बढ़ती थी, लेकिन परिस्थितियों ने उसे धीरे-धीरे बदल दिया। उसने अपने सफर में कई डोलें डोले, बदले की भावना से गुजरी और ताकत के साथ अपनी पहचान बना कर कोशिश की।''

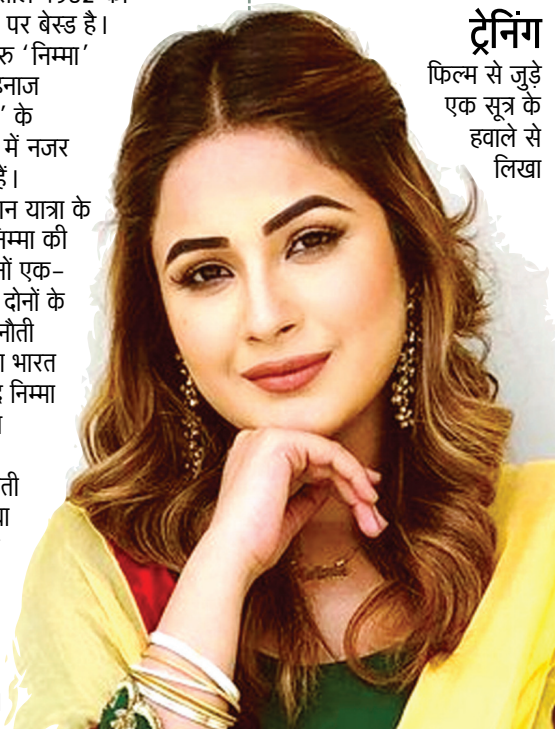
श्वेता ने कहा, 'मेरे लिए इस किरदार को निभाना इसलिए भी खास रहा क्योंकि मैंने लंबे समय तक गोल्डू के हर बदलाव को महसूस किया। मैंने उसे कई सालों तक जिया है। वह एक ऐसी युवा महिला थी, जो सही काम करने में विवशान रखती थी और धीरे-धीरे ऐसी इंसान बनी, जो ताकत, दुख, बदले और महत्वाकांक्षा के बीच खुद को संभाल रही थी।'' उन्होंने कहा, 'किसी किरदार का लोगों के जीवन से जुड़ जाना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। गोल्डू गुप्ता का किरदार मेरे करियर के सबसे यादगार किरदारों में से एक रहा।''

इश्कनामा में दिखेगी गुरु-शहनाज की केमिस्ट्री



गुरु रंधावा और शहनाज गिल स्टारर फिल्म 'इश्कनामा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर की कहानी साल 1982 की पृष्ठभूमि पर बेसड है। इसमें गुरु 'निम्मा' और शहनाज 'नसीमा' के किरदार में नजर आ रहे हैं। पाकिस्तान यात्रा के दौरान निम्मा की

मुलाकात नसीमा से होती है और दोनों एक-दूसरे से घ्यार करने लगते हैं, लेकिन दोनों के बीच सरहद और अलग मजबूत बंदी चुनौती बनकर सामने आती है। टेलर में नसीमा भारत देखने की इच्छा जताती है, जिसके बाद निम्मा उसे भारत भ्रमण में है। बायस पाकिस्तान छोड़ने के दौरान दोनों के रिश्ते की जानकारी नसीमा के पिता को मिल जाती है। इसके बाद निम्मा को कैद कर लिया जाता है और उस पर अत्याचार किया जाता है। वहीं नसीमा अपने पिता के खिलाफ खड़ी हो जाती है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि सरहद और हालात के बीच दोनों की प्रेम कहानी किस अंजाम तक पहुंचती है।



अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' के रोल के विजय देवरकोंडा ने की अपने करियर सबसे मुश्किल तैयारी

एक्टर विजय देवरकोंडा ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' के रोल के लिए अपनी करियर की सबसे मुश्किल तैयारी की है। कई महीनों तक अलग-अलग तरह की हिकसस सीखने के बाद, एक्टर ने जबरदस्त निगम की, ताकि हर एक्शन सीन असली लगे। उनका ट्रेनिंगमेंट आज फिटनेस रूटीन से कहीं आगे था। उनकी तैयारी इस तरह से की गई थी ताकि हर सीन स्क्रीन पर असली लगे।

विजय ने ली

ट्रेनिंग

फिल्म से जुड़े
एक सूत्र के
हवाले से
लिखा

‘इस रोल के लिए विजय ने खुद को तैयारी के एक लंबे और मुश्किल प्रोसेस में पूरी तरह ड्रॉक दिया। उन्होंने घुड़सवारी के मुश्किल सेशन किए। साथ ही, उन्होंने हथियार चलाना, फायरआर्मस का इस्तेमाल करना और घोड़े पर बैठकर नकली गोलीबारी के बीच एक्शन करना भी सीखा।’

चाकू चलाने की
ट्रेनिंग ली

सूत्र ने आगे कहा, 'फिल्म के लिए विजय ने जबरदस्त फेजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया। उन्होंने बॉडीबिल्डिंग की ओर चाकू से लड़ने की ट्रेनिंग ली। तैयारी का हर पहलू सिर्फ अलग-अलग रिक्रिलस सिखाने के लिए नहीं, बल्कि विजय को उस किरदार में पूरी तरह डालने के लिए था, ताकि स्क्रीन पर हर एक्शन सही लगे।'

विजय देवरकोंडा
का वर्क फ्रंट

विजय देवरकोंडा की अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' फैंस को उत्साहित कर रही है। यह इस साल 11 सितंबर को रिलीज होने वाली है। राहुल सांकृत्यायन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में विजय के साथ रश्मिका मंदाना भी लीड रोल में हैं। इसके बाद विजय 'राउडी जनाईन' में नजर आएंगे।



धमाल के मानव को मैंने खुद बनाया

एविटंग, कॉमेडी, डांस, डबिंग, होस्टिंग, कोरियोग्राफी और सिनिंग जैसी मनोरंजन की अलग-अलग विधाओं को एक साथ साधने वाले जावेद जाफरी जैसे कलाकार बॉलीवुड में विरले ही हैं। इसके बावजूद, इंडस्ट्री में 40 साल से सक्रिय जावेद जाफरी मानते हैं कि ऑर्गनाइज्ड यानी व्यवस्थित न होने के चलते वह बहुत कुछ ऐसा नहीं कर पाए, जो कर सकते थे।

बकौल जायेद जाफरी, 'मैं जो भी चीजें कीं, वो बस खुद-ब-खुद होती गईं। मैंने प्लान करके कुछ नहीं किया। मेरी दिक्कत ही यही है कि मैं जिंदगी में ऑर्गनाइज्ड यानी व्यवस्थित नहीं हूं। अगर व्यवस्थित होता तो बहुत कुछ कर लिया होता। मैंने डायरेक्टर के तौर पर एक फिल्म बना ली होती। मैंने रैप की एल्बम निकाल ली होती। 1985 में मैंने फिल्म 'मेरी जंग' में 'बोल बेबी बोल' गाने के बीच में रैप किया था। तब रैप की एल्बम निकालने का आइडिया भी आया था, तब बाबा सहायल भी नहीं आया था, लेकिन

वही है कि मैं ऑर्गनाइज्ड नहीं हूँ। मुझे कोई ऐसा चाहिए जो मुझे ऑर्गनाइज करे। हालांकि, फिल्म डायरेक्ट करने की ख्वाहिश अब भी है। वो मैं करूंगा।'

कॉमेडी पर बहुत बंदिशें लग चुकी हैं

इन दिनों अपनी फिल्म 'धमाल 4' से चर्चा बढ़ा रहे जावेद जाफरी का कॉमेडी से गहरा नाता रहा है। आजकल कॉमेडी का स्टार गिरने के सवाल पर चुक कहते हैं, 'मैं ये तो नहीं कट्ठा कि स्तर गिर चुका है। अभी माध्यम इतने सारे हो चुके हैं और एंटरटेनमेंट को देखने की आदतें बदल चुकी हैं। खासकर से काव्हिड के बाद, सोशल मीडिया, यूट्यूब, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, इन सारी चीजों ने कई चीजें बदली हैं। उसमें कॉमेडी भी है। कॉमेडी वैसे भी अलग-अलग ऑडियंस पर अलग तरह से असर डालती है। मेरा खुद का अनुभव रहा है कि नौवीं ईस्ट के डब्ल्यूड के शो में जिस चीज पर ताली बजती है, जिस पर लोग हंसते हैं, वो सैन फ्रांसिस्को की ऑडियंस से बहुत अलग है। जबकि, मैं वही हिंदी बॉलीवुड शो कर रहा हूँ, क्योंकि वहाँ सेसिबिलिटी अलग होती है।

लोग बहुत सेंसिटिव हो गए हैं

वैसे, अभी लोग कुछ ज्यादा सेंसिटिव हो गए हैं, खासकर अपने देश में। जैसे, अब हम कुत्ते को कुत्ता नहीं बोल सकते, डोंगी बोलो ! ये क्या मतलब हुआ। मोटी नहीं बोल सकते, गूंगा नहीं बोल सकते, ये नहीं बोल सकते, वो नहीं बोल सकते, कुछ अजीब सी संसरशिप कहिए या जो भी कहिए, मगर इतना सेंसिटिव क्यों होना है ? 70-80 के दौर में किसी की भावनाएं इन चीजों पर नहीं होती थीं। अब कॉमिडी पर बहुत बर्दोश हो गई है।

‘धमाल’ में जावेद जाफरी का निभार्या मानव का किरदार काफी पसंद किया गया। वह किरदार को गढ़ने में जावेद जाफरी की भी अहम भूमिका रही। उन्होंने बताया, ‘धमाल’ मेरी जिंदगी की सबसे मजेदार फिल्म है। मानव का किरदार भी मेरे बहुत करीब है, क्योंकि उसे बनाने में मेरी भी काफी हाथ है कि वो कैसे बोलेंगा, क्या एहसासों? कैसे चलेगा? दरअसल, जब मैं फिल्म के लिए हमारे डायरेक्टर इंदू कुमार जी से मिलता वो वह देखकर बोले कि जावेद तू तो स्मॉट से लगा है यार। मैं समझ गया कि वह क्या कहना चाहते हैं तो मैंने कॉस्ट्यूम वालों के

साथ तब किया कि उसे डंगरी पहनाते हैं। पोलो नेक की टीशर्ट पहनाते हैं ताकि एक बचपना दिखे, एक मासूमियत दिखे। फिर उन्होंने कहा कि तेरा आवाज बहुत अच्छी है, तो मैंने पूरा बस हेटा दिया। अविद्या को पताला कर दिया। एक तुलनाहत ले आया, क्योंकि इस किस्वर को कमजोर बनाना था। इसलिए, मैंने अपनी बॉडी लैंग्वेज बदली। थोड़ा झुककर चला। मम्मा विल भी प्राउड ऑफ यू, वाला डायलॉग भी स्क्रिप्ट में नहीं था। उसे बनाने में बहुत मजा आया।

बेटे मीजान संग करना फख की बात

जावेद जाफरी पिछले दिनों फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में अपने बेटे मीजान के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखे। पिता-बेटे की इस जोड़ी ने साथ में 'डॉस भी कता है। इस अनुभव को खास मानने वाले जावेद कहते हैं, 'बेटे के साथ काम करके निश्चित तौर पर फख्र होता है कि वह इतना बड़ा हो गया है कि अपनी जिंदगी, अपना करियर खुद आगे बढ़ा रहा है। एक पिता के तौर पर निश्चित तौर पर बहुत खुशी होती है।'

संपादकीय

विकसित भारत की नई दिशा रेल अवसंरचना और रसायन क्षेत्र में निवेश से आत्मनिर्भर भारत को नई गति

किसी भी राष्ट्र की प्रगति केवल उसकी आर्थिक वृद्धि दर से नहीं आँकी जाती,बल्कि इस बात से तय होती है कि वह अपने भविष्य के लिए कितनी दूरदृष्टि के साथ आधारभूत संरचना का निर्माण कर रहा है।आधुनिक रेल नेटवर्क, सुदृढ़ औद्योगिक व्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान,उन्नत विनिर्माण क्षमता

और निवेश के अनुकूल वातावरण किसी भी विकसित राष्ट्र की पहचान होते हैं।भारत आज इसी दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।पिछले कुछ वर्षों में केंद्र सरकार ने जिन क्षेत्रों को सर्वाधिक प्राथमिकता दी है,उनमें रेल, सड़क,ऊर्जा, डिजिटल अवसंरचना और विनिर्माण प्रमुख हैं।इन क्षेत्रों में हो रहा निवेश केवल वर्तमान आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर रहा, बल्कि विकसित भारत- 2047 की



सम्पादक
शान मोहम्मद

आधारशिला भी रख रहा है।इसी सोच के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।पहला निर्णय कर्नाटक के बल्लारीख़्ख गुंटकल रेलखंड पर तीसरी और चौथी रेल लाइन के निर्माण का है,जबकि दूसरा निर्णय देश के रसायन उद्योग को नई दिशा देने वाली भव्य रसायन योजना को स्वीकृति प्रदान करने का है। इन दोनों परियोजनाओं पर कुल 4,294 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।इसमें 1,264 करोड़ रुपये रेल परियोजना तथा 3,030 करोड़ रुपये रसायन क्षेत्र के विकास के लिए निधंरित किए गए हैं।दोनों निर्णय अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े अवश्य हैं,किंतु उनका उद्देश्य एक ही है—भारत की उत्पादन क्षमता बढ़ाना, उद्योगों को गति देना,रोजगार के अवसरों का विस्तार करना और देश को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अधिक सक्षम बनाना।आज भारतीय रेल विषय के सबसे बड़े रेल नेटवर्कों में से एक है। प्रतिदिन करोड़ों यात्री और विशाल मात्रा में माल भारतीय रेल के माध्यम से अपने गंतव्य तक पहुंचता है।देश की अर्थव्यवस्था में रेलवे की भूमिका केवल परिवहन तक सीमित नहीं है। कृषि,खनन,इस्पात,ऊर्जा, विनिर्माण और निर्यात जैसे लगभग सभी प्रमुख क्षेत्रों पर निभर हैं।इसलिए जहाँ भी रेल नेटवर्क पर क्षमता से अधिक दबाव दिखाई देता है,वहाँ उसका विस्तार राष्ट्रीय आवश्यकता बन जाता है।बल्लारीख़्खगुंटकल रेलखंड दक्षिण भारत के सबसे व्यस्त रेल मार्गों में शामिल है।कर्नाटक का बल्लारी क्षेत्र लौह अयस्क,इस्पात उद्योग और खनिज संपदा के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। दूसरी ओर गुंटकल भारतीय रेल का एक अत्यंत महत्वपूर्ण जंक्शन है,जहाँ से दक्षिण,पश्चिम और मध्य भारत को जोड़ने वाले अनेक रेल मार्ग गुजरते हैं। यही कारण है कि इस रेलखंड पर मालगाड़ियों और यात्री ट्रेनों का दबाव लगातार बढ़ता जा है।कई बार ट्रेनों को क्रासिंग या सिग्नल की प्रतीक्षा में रुकना पड़ता है, जिससे समय और संसाधनों दोनों की हानि होती है।ऐसी स्थिति में तीसरी और चौथी रेल लाइन के निर्माण का निर्णय दूरगामी महत्व रखता है। अतिरिक्त लाइनों के निर्माण से इस मार्ग की वहन क्षमता बढ़ेगी। मालगाड़ियों की आवाजाही तेज होगी,उद्योगों को समय पर कच्चा माल और तैयार उत्पादों के परिवहन की सुविधा मिलेगी तथा यात्री ट्रेनों का संचालन भी अधिक सुचारु और समयबद्ध हो सकेगा।इससे रेलवे की परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी और लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी।रेलवे का विस्तार केवल पटरियों बिछाने का कार्य नहीं होता।इसके साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था भी गति पकड़ती है। निर्माण कार्यों में बड़ी संख्या में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उत्पन्न होते हैं।सीमेंट, इस्पात, विद्युत उपकरण, मशीनरी और निर्माण सामग्री से जुड़े अनेक उद्योगों को भी लाभ मिलता है। परियोजना पूरी होने के बाद व्यापारिक गतिविधियाँ बढ़ती हैं,निवेश आकर्षित होता है और क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलती है। यही कारण है कि रेल अवसंरचना में किया गया निवेश कई गुना आर्थिक लाभ उत्पन्न करने वाला माना जाता है।

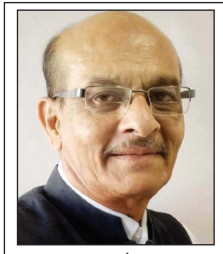
बल्लारी क्षेत्र का महत्व केवल खनिज संपदा तक सीमित नहीं है।यह भारत के इस्पात उद्योग का एक प्रमुख आधार भी है। यहाँ उत्पादित लौह अयस्क और इस्पात देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ निर्यात के लिए भी भेजे जाते हैं।यदि परिवहन व्यवस्था अधिक सक्षम होगी तो उद्योगों की उत्पादन लागत कम होगी,प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी और भारतीय उत्पाद वैश्विक बाजार में अधिक मजबूती के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकेंगे।यही कारण है कि सरकार रेल अवसंरचना को औद्योगिक विकास का सबसे महत्वपूर्ण आधार मानते हुए निरंतर निवेश बढ़ा रही है।

यह परियोजना प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान की अवधारणा को भी मजबूती प्रदान करती है।इस योजना का उद्देश्य देश के विभिन्न परिवहन माध्यमों को एकीकृत कर ऐसा आधुनिक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क तैयार करना है, जिससे उद्योगों और व्यापार को तेज,सुरक्षित तथा किफायती परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सके। जब रेल,सड़क,बंदरगाह और औद्योगिक गलियारे एक-दूसरे से बेहतर ढंग से जुड़ेंगे, तब भारत की आर्थिक क्षमता स्वतः कई गुना बढ़ जाएगी। रेल अवसंरचना के विस्तार का एक महत्वपूर्ण पक्ष पर्यावरण संरक्षण भी है।सड़क मार्ग की अपेक्षा रेल परिवहन अधिक ऊर्जा-कुशल और पर्यावरण अनुकूल माना जाता है।माल परिवहन का बड़ा हिस्सा यदि रेल के माध्यम से होगा तो भारी वाहनों की संख्या कम होगी,ईंधन की बचत होगी और कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी। जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौती के बीच यह निर्णय भारत की हरित विकास नीति के अनुरूप भी माना जा सकता है।



दिलीप कुमार पाटक

घर बैठे मोबाइल से कमाएं रोज के पांच हजार रुपए! आजकल फेसबुक, इंस्टाग्राम या व्हाट्सएप खोलते ही ऐसे लुभावने मैसेज हर तरफ तैरते हुए दिख जाते हैं। मंदी और बेरोजगारी के इस दौर में जब जेब तंग हो, तो ऐसे विज्ञापन किसी वरदान या लांटेरी जैसे लगते हैं। लेकिन जरा ठहरिए! जिस लिंक पर आप एक क्लिक करने जा रहे हैं, वो आपको अमीर बनाने का रास्ता नहीं, बल्कि एक ऐसे दलदल का रास्ता है जहाँ से आप कंगाल और बर्बाद होकर ही बाहर निकलेंगे। हर साल 30 जुलाई को दुनिया भर में मानव तस्करी के खिलाफ विश्व दिवस



सनत जैन

पिछले तीन दशक से भारत की शिक्षा पद्धति में बड़ी तेजी के साथ बदलाव आया है। प्राइमरी स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक सभी जगह ट्यूशन और कोचिंग का एक नया जाल बुना गया है। इस जाल में फंसने के बाद बच्चों को रट-रटु विद्या तो हासिल हो जाती है, परीक्षा में उनके नंबर भी अच्छे आ जाते हैं, लेकिन जो ज्ञान उन्होंने पढ़कर हासिल किया है, उसका अनुभव नहीं आने पर ऐसा ज्ञान उनके कोई काम नहीं आता है। गुरु पूर्णिमा का अवसर है, गुरु राह दिखाता है। उसमें चलना शिष्य को पड़ता है। जब तक शिक्षा का ज्ञान अनुभव में न आए, तब तक शिक्षा का कोई महत्व नहीं होता है। भारत में 1990 के बाद से एक ऐसा नया दौर शुरू हुआ है, जहां माता-पिता बच्चों को परीक्षा में मिले नंबरों से उनका आकलन करते हैं, यह ठीक नहीं है। हर बच्चे की बुद्धि अलग-अलग होती है। उसके सोचने का तरीका अलग होता है। उसका काम करने का तरीका अलग होता है। माना जाता है, ईश्वर ने हर जीव में अलग बुद्धि और अलग कौशल प्रदान किया है, जो समय और अनुभव के साथ आगे बढ़ता है। उच्च शिक्षा की पढ़ाई में पहले थ्योरी के साथ-साथ प्रैक्टिकल पर भी ध्यान दिया जाता था। मिडिल और हाई स्कूल के बच्चों को विविधता के साथ ज्ञान उपलब्ध हो, इसके लिए स्कूलों में तरह-तरह की पढ़ाई और अनुभव से बच्चों को जोड़कर रखा जाता था। पिछले 30 वर्षों में जिस तरीके से शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव आया है, उसमें हम रटटु तोता तैयार कर रहे

मनाया जाता है।

जब भी हम मानव तस्करी का नाम सुनते हैं, तो हमारे दिमाग में पुरानी फिल्मों जैसा कोई सीन आता है - जैसे किसी का जबरन किडनैप कर लेना, किसी मासूम को बंधक बनाकर मजदूरी कराना या भीख मंगवाना। लेकिन आज के इस चमचमाते डिजिटल जमाने में अपराधियों ने अपना तरीका पूरी तरह बदल लिया है। आज का सबसे नया और खतरनाक सच है साइबर स्लेवरी यानी डिजिटल गुलामी। अब ईंसानों को किसी अंधेरी कोठरी में नहीं, बल्कि कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बैठाकर इंटरनेट की अदृश्य जंजीरों से गुलाम बनाया जा रहा है। इस पूरे काले खेल की शुरुआत बहुत ही सीधे और मासूम तरीके से होती है। आपको व्हाट्सएप पर एक अनजान नंबर से मैसेज आएगा कि यूट्यूब वीडियो लाइक करो और घर बैठे पैसे कमाओ। आप उनके कहे अनुसार वीडियो लाइक करते हैं और आपके खाते में सचमुच 200-300 रुपए आ भी जाते हैं। यहाँ पर बड़ी चालाकी से आपका भरोसा जीत लिया जाता है। इसके बाद असली जाल बिछाया जाता है। वो आपसे कहेंगे कि अगर और ज्यादा मोटी कमाई करनी है, तो आपको थोड़ा पैसा इन्वेस्ट करना होगा। घर बैठे रातों-रात

अमीर बनने के लालच में लोग अपनी जिंदगी भर की जमा-पूँजी, यहाँ तक कि कर्ज लेकर या घर के गहने बेचकर लाखों रुपए इन फर्जी वेबसाइट्स पर लगा देते हैं। जब तक हमें समझ आता है कि हम पूरी तरह लुट चुके हैं, तब तक स्क्रीन के उस पार बैठा ठग अपना डिजिटल बोरिया-बिस्तर समेटकर गायब हो चुका होता है। यह तो इस गंदे खेल का सिर्फ एक हिस्सा है।

इसका दूसरा और सबसे डरावना रूप वो है जो हमारे देश के पढ़े-लिखे युवाओं के साथ विदेशों में हो रहा है। कंबोडिया, म्यांमार और थाईलैंड जैसे देशों में डेटा एंट्री या कंप्यूटर ऑपरेटर की आलीशान नौकरी का लालच देकर भारतीय लड़कों को बुलाया जाता है। वहाँ पहुँचते ही उनके पासपोर्ट छीन लिए जाते हैं और उन्हें बंदूक की नोक पर बड़ी-बड़ी इमारतों में बंद कर दिया जाता है। इसके बाद उनसे जबरन भारत में बैठे मासूम लोगों को फोन करके या मैसेज भेजकर ठगने का काम कराया जाता है। जो युवा ऐसा करने से मना करते हैं, उन्हें कई-कई दिनों तक भूखा रखा जाता है, लोहे की रॉड से बेरहमी से पीटा जाता है और कर्ंट के झटके दिए जाते हैं। यानी हमारे ही देश के बेरोजगार लड़कों को बंधक बनाकर, उन्हीं के हाथों

शिक्षा, पढ़ाई और अनुभव से आती है, कोचिंग या ट्यूशन से नहीं?



हैं। कोचिंग से शिक्षा लेने वाले छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त कर परीक्षा के बाद बहुत ज्यादा नंबर लेने, मेरिट में आने के बाद भी, जब उन्हें अनुभव नहीं मिलता है। परीक्षा के प्रवेश नहीं मिलता है, तो उनके ज्ञान का कोई महत्व नहीं रह जाता है। यह बात परीक्षार्थियों, उनके माता-पिता और अभिभावकों को समझनी होगी। हर बच्चे का पारिवारिक स्तर अलग होता है। उसके घर और परिवार में अलग-अलग तरीके का माहौल होता है। हर परिवार की जीवन शैली अलग होती है। सामाजिक जीवन में विकास के लिये भाषा और गणित का ज्ञान बहुत आवश्यक होता है। वर्तमान समय में तकनीकी ज्ञान भी बड़ा आवश्यक है। सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल तकनीकी और कंप्यूटर आदि की जानकारी वर्तमान समय में जरूरी हो गई है। इसके लिए प्राथमिक जानकारी एवं उसका उपयोग बहुत आवश्यक है। हर व्यक्ति का भाषा ज्ञान और विज्ञान उसके काम आता है, जो उसकी जरूरत में सदैव बना रहता है। अनुभव और समय की माँग के आधार पर वह अपने ज्ञान को निरंतर बढ़ाता रहता है। ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है। अनुभव और समय के अनुसार नया ज्ञान हासिल करना जरूरत है। उसी ज्ञान के सहारे वह आगे

बढ़ता चला जाता है। प.पू. आचार्य विद्यासागर जी महाराज कहते थे, बिल्ही जिस पंजे से शिकार करती है, उसी पंजे से अपने बच्चों का पालन भी करती है। जिसका शिकार करती है, उसे नुकसान होता है। उसी पंजे से बच्चों का पालन होता है। आचार्य विद्यासागर जी महाराज यह भी कहते थे, 50 शास्त्रों का ज्ञान और अनुभव का ज्ञान दोनों बराबर होते हैं। शास्त्रों में लिखा गया ज्ञान यदि अनुभव में नहीं आया है, तो उस ज्ञान का कोई महत्व नहीं है।

पिछले कुछ दशकों में सरकार ने जिस तरह की शिक्षा नीति बनाई है। उसमें नंबरों को आधार बनाकर बौद्धिक ज्ञान को नकार दिया गया है। उच्च शिक्षा की पढ़ाई में हर जगह अभ्यास के आधार पर परीक्षाएँ आयोजित हो रही हैं। परीक्षा में अधिक नंबर लाने के लिए ट्यूशन और कोचिंग संस्थानों की संख्या और उनका प्रभाव लगातार बढ़ता चला जा रहा है। 60 और 70 के दशक में विश्वविद्यालयों में फर्स्ट डिवीजन के नंबर आने पर गोल्ड मेडलिस्ट बनने का सौभाग्य मिल जाता था। अब 95 फीसदी अंक लाने के बाद भी शिक्षण संस्थानों में प्रवेश अथवा चयन होता है। जिस तरह पहले पहाड़ को याद करा दिया जाता था। उसका उपयोग हमेशा होता

मित्रता है मानवता का सबसे मजबूत सेतु



असफलताओं में सबसे पहले हमारे साथ खड़ा दिखाई देता है।

श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता भारतीय संस्कृति में केवल दो मित्रों की कहानी नहीं है, बल्कि यह बताती है कि मित्रता का मूल्य धन, पद और वैभव से कहीं ऊपर है। श्रीराम और विभाषण की मित्रता यह संदेश देती है कि सत्य और धर्म के आधार पर स्थापित संबंध कभी नष्ट नहीं होते। इतिहास में ऐसी अनेक मित्रताएँ हमें यह सिखाती हैं कि सच्चा मित्र वही है जो हमारे व्यक्तित्व का विस्तार बने, हमारे विवेक को जागृत करे और कठिन समय में हमारा संबल बने। किन्तु आज एक गंभीर प्रश्न हमारे सामने है-यदि मित्रता इतनी महान है तो समाज में वैमनस्य, हिंसा, घृणा और अविश्वास क्यों बढ़ रहा है? परिवारों में संवाद क्यों टूट रहा है? विचारों का मतभेद मनभेद में क्यों बदल जाता है? सोशल मीडिया पर हजारों 'फॉलोअर' होने के बावजूद मनुष्य भीतर से इतना अकेला क्यों है? इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि हमने संबंधों को उपविधा का साधन बना लिया है। आज मित्रता की स्थाय, उपयोगिता और अवसरवाद के तराजू पर तौली जाने लगी है। जब तक लाभ है तब तक मित्रता है, लाभ समाप्त होते ही संबंध भी समाप्त हो जाते हैं। ऐसी क्षणिक मित्रता वास्तव में केवल परिचय होती है, आत्मीयता नहीं। जहाँ स्वार्थ प्रवेश करता है, वहाँ विश्वास धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है। तकनीक ने हमें जोड़ने का दावा किया, लेकिन उसने संवाद की आत्मा भी कहीं छीन ली। आज लोग घंटों मोबाइल स्क्रीन पर सक्रिय रहते हैं, परंतु अपने परिवार और

मित्रों के साथ कुछ मिनट भी मन से नहीं बैठ पाते। इमोजी ने भावनाओं का स्थान ले लिया है और 'ऑनलाइन' रहने वाला व्यक्ति वास्तविक दुनिया में भावनात्मक रूप से 'ऑफलाइन' होता जा रहा है। यही कारण है कि अकेलापन आज विश्व स्वास्थ्य की सबसे बड़ी चुनौतियों में गिना जाने लगा है।

विश्व के अनेक देशों में युद्ध, आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता, नस्लीय भेदभाव और आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्यों के बीच दीवारें खड़ी कर दी हैं। ऐसे वातावरण में मित्रता केवल व्यक्तिगत सुख का माध्यम नहीं, बल्कि विश्व शांति की आवश्यकता बन गई है। यदि राष्ट्र मित्रता की भाषा सीख लें, यदि समाज संवाद का मार्ग अपनाए और यदि व्यक्ति दूसरे के दुःख को अपना दुःख समझने लगे तो अनेक संघर्ष स्वतः समाप्त हो सकते हैं। मित्रता का वास्तविक अर्थ केवल साथ घुमना, हँसना और उत्सव मनाना नहीं है। मित्रता का अर्थ है दूसरे के सम्मान की रक्षा करना, उसकी अनुपस्थिति में भी उसके प्रति निष्ठावान रहना, उसकी कमियाँ को स्वीकार करते हुए उसके विकास में सहयोग देना तथा आवश्यकता पड़ने पर सत्य कहने का साहस रखना। जो मित्र केवल प्रशंसा करता है, वह हितैषी नहीं हो सकता। सच्चा मित्र वह है जो समय आने पर हमारी भूलों में की निभय सकेत करे।

आज आवश्यकता मित्रता की नई परिभाषा गढ़ने की है। मित्रता प्रेम से आगे बढ़कर करुणा का पर्याय बने। प्रेम में कभी-कभी अधिकार और अपेक्षाएँ जन्म लेती हैं, जबकि करुणा में केवल समर्पण और परमायें होती हैं। जब मित्रता

दूसरे भारतीयों को लुटवाया जा रहा है। यह स्थिति बेहद भयानक है। सरकार और पुलिस अपनी तरफ से कोशिश कर रही है, लेकिन सिर्फ पुलिस के भरोसे इस अदृश्य दुश्मन से नहीं जीता जा सकता। इस डिजिटल गुलामी की जंजीरों को तोड़ने का एक ही तरीका है - हमारी खुद की समझदारी। हमें यह छोटी सी बात समझनी होगी कि दुनिया में कोई भी कंपनी बिना किसी मेहनत या बिना किसी इंटरव्यू के घर बैठे मुफ्त में पैसे नहीं बाँटती। अगर कोई ऑफर जरूरत से ज्यादा अच्छा लग रहा है, तो समझ जाइए कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है। अगर कभी अनजाने में आप ऐसे किसी जाल में फंस जाएँ या आपके साथ कोई ऑनलाइन फ्रॉड हो जाए, तो डरने या समाज के डर से छिपने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। सरकार ने इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। ऐसी स्थिति में तुरंत भारत सरकार के राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। जितनी जल्दी आप इस नंबर पर शिकायत करेंगे, आपके पैसे वापस मिलने की उम्मीद उतनी ही ज्यादा होगी. याद रखिए, आपकी एक सावधानी आपको बर्बाद होने से बचा सकती है।

था। बच्चों ने जो पहाड़ा, जोड़-घटाना, गुणा-भाग प्राइमरी में पढ़ा है, सारे जीवन वह याद रहता है। उसी ज्ञान के सहारे वह अपने करियर को निरंतर आगे बढ़ाते हैं। इसी तरह भाषा का ज्ञान हिंदी मातृ भाषा और अंग्रेजी का ज्ञान आज भी उनके लिए उपयोगी है, जो उन्होंने प्राइमरी मिडिल और हाई स्कूल में पढ़ा था। उच्च शिक्षा में आने के बाद जो ज्ञान हासिल हो रहा है, उसमें डिग्री तो मिल जाती है। जब उस डिग्री के ज्ञान का कोई उपयोग, अनुभव में नहीं आता है, तो उसका कोई महत्व नहीं रह जाता है। बच्चों और युवाओं के कई महत्वपूर्ण साल शिक्षा प्राप्त करने में खर्च हो जाते हैं। परिवार के लाखों रुपए पढ़ाई में खर्च हो जाते हैं। रोजगार, नौकरी तथा भविष्य को लेकर ठन-ठन गोपाल वाली स्थिति बनी हुई है। दुनिया में जो तकनीकी कई दशकों में ईजाद हुई है उसके लिए कोई विशेष पढ़ाई करने की जरूरत कभी नहीं हुई। जिस व्यक्ति ने सोच लिया, हमें यह ज्ञान हासिल करना है, उसने हासिल करके ही अपनी पहचान बनाई है। इस बात को हमें भूलना नहीं चाहिए। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हमें सोचना होगा आज का वर्तमान कल का भविष्य बनेगा। भारत में इस समय युवाओं की संख्या सबसे ज्यादा है। बच्चों की जनसंख्या घटना शुरू हो गई है। ऐसी स्थिति में हमें अपने भविष्य को बेहतर बनाना है, तो शिक्षा पद्धति में बदलाव लाना पड़ेगा। हर मरिचक का उपयोग उसकी क्षमता और अनुभव के आधार पर हो। तभी स्वयं को परिवार और देश को आगे बढ़ाने में शिक्षा का महत्व है। वर्तमान में चीन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। चीन ने 12 हजार से अधिक रोजगार मौलिक डिग्री शुरू की है। भारत में गुरु द्रोणाचार्य और एकलव्य की चर्चा होती है। जिस शिष्य को गुरु ने स्वीकार नहीं किया, उसी शिष्य ने द्रोणाचार्य को गुरु के रूप में स्वीकार किया। आस्था- विश्वास और अग्न्यास से उनके परम शिष्य अर्जुन से आगे निकल गए। गुरु द्रोणाचार्य को एकलव्य का अंगुठा मांगना पड़ा। गुरु पूर्णिमा के अवसर ज्ञान के सभी गुरुओं को शत-शत प्रणाम।

करुणा पर आधारित होती है, तब उसमें ईर्ष्या, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ के लिए कोई स्थान नहीं बचता। यदि हम अपने जीवन में कुछ सरल सूत्रों को अपनाएं तो मित्रता का वह संबंध अधिक सशक्त बन सकता है एक-दूसरे की अच्छाइयों और कमियों को सहजता से स्वीकार करना, संवाद को कभी समाप्त न होने देना, विश्वास और पारदर्शिता बनाए रखना, कठिन समय में साथ खड़ा रहना तथा मित्रता को समय देना। संबंध समय मांगते हैं, केवल संदेश भेजने से आत्मीयता नहीं बनती। अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस विशेष रूप से युवाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज की पीढ़ी डिजिटल माध्यमों से दुनिया भर से जुड़ रही है। यदि वही युवा विविध संस्कृतियों, भाषाओं और परंपराओं का सम्मान करते हुए वैश्विक मित्रता का संदेश फैलाएं तो आने वाला विश्व अधिक शांतिपूर्ण और मानवीय हो सकता है। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए जो संवाद, सहयोग और सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करें।

जैन आचार्यों ने मैत्री, प्रमोद, करुणा और मध्यस्थ जैसे चार भावों के माध्यम से मानव संबंधों का अद्भुत दर्शन प्रस्तुत किया है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने मन में केवल मैत्री का भाव विकसित कर ले तो न घृणा बचेगी, न हिंसा और न ही वैमनस्य। महावीर का संदेश-'सभी जीव भेद मित्र हैं, किसी से मेरा वैर नहीं'-आज के विश्व के लिए सबसे प्रासंगिक जीवन-दर्शन है। यह भी स्मरण रखना होगा कि मित्रता केवल समान विचारों वालों के बीच नहीं होती। विचार-भिन्नता स्वाभाविक है, लेकिन मन-भिन्नता विनाशकारी है। विचार-भेद से नए विचार जन्म लेते हैं, जबकि मन-भेद रिश्तों को तोड़ देता है। लोकतंत्र हो या परिवार, संस्था हो या समाज-जहाँ संवाद जीवित रहता है, वहाँ मित्रता भी जीवित रहती है।

आज जब रिश्तों की जमीन सुख रही है, संवेदनाएं बिखर रही हैं और मनुष्य स्वयं को भीड़ में भी अकेला महसूस कर रहा है, तब अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस हमें याद दिलाता है कि दुनिया को सबसे अधिक आवश्यकता नई तकनीक की नहीं, बल्कि नए विश्वास की है, नई प्रतिस्पर्धा की नहीं बल्कि नई करुणा की है, नई शक्ति की नहीं बल्कि नई मित्रता की है। हम अपने जीवन में कम-से-कम एक ऐसा संबंध अवश्य बनाएं जिसमें स्वार्थ नहीं, विश्वास हो। अपेक्षा नहीं, अपनापन ही अधिकार नहीं, सम्मान हो और केवल साथ चलने का नहीं, साथ निभाने का संकल्प हो। यही मित्रता की सच्ची साधना है, यही मानवता की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही विश्व शांति का सबसे विश्वसनीय मार्ग भी है।

(लेखक, पत्रकार, रसिकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सम्मत होना अनिवार्य नहीं है)

SVADESH

प्रेम

NEWS CHANNEL

स्वदेश प्रेम

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

सूचना

विज्ञापनों में किए गए किसी भी वादे का 'स्वदेश प्रेम' दैनिक समाचार पत्र समर्थन नहीं करता है। पाठक स्वयं जांच-परख अवश्य करें।

यदि आप किसी विषय में रुचि रखते हैं और लिखने के इच्छुक हैं, तो आप अपनी रुचि से संबंधित आलेख हमें भेज सकते हैं। यदि आपका आलेख 'स्वदेश प्रेम' में प्रकाशन योग्य हुआ, तो उसे जरूर प्रकाशित किया जाएगा।

कृपया सूचनात्मक, सकारात्मक एवं तथ्यात्मक आलेख ही भेजें।

Svadeshprem0@gmail.com

www.svadeshprem.com

प्रिय पाठकों,

यदि आप 'दैनिक स्वदेश प्रेम' में अपना जन्मदिन संदेश प्रकाशित करवाना चाहते हैं, तो अपना फोटो, उम्र व नाम हमें हमारी ईमेल पर या हमारे व्हाट्सएप नंबर पर भेजें।

Svadeshprem0@gmail.com

www.svadeshprem.com

व्हाट्सएप/फोन पर संपर्क के लिए

संपर्क सूत्र (Landline):

+91 11-47012771

मोबाइल (Mobile):

9810993893

Email: Svadeshprem0@gmail.com

Web: www.svadeshprem.com

'स्वदेश प्रेम' में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किए गए विचारों से प्रकाशक एवं संपादक का सम्बन्ध होना आवश्यक नहीं है। ये लेखकों के स्वयं के दृष्टिकोण हैं।

पत्र में प्रकाशित किसी भी रचना व लेख का किसी भी तरह का पारिविश्विक स्वयंकांश देना नहीं है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक शान मोहम्मद द्वारा 'स्वदेश प्रेम' समाचार पत्र के लिए प्रकाशित एवं मुद्रित।



वेल्लोर का अद्भुत श्रीलक्ष्मी नारायणी मंदिर

जब भी गोल्डन टेंपल का जिक्र होता है, तो सबसे पहले लोगों की जुबां पर पंजाब के अमृतसर का नाम आता है। गोल्डन मंदिर को स्वर्ण मंदिर भी कहा जाता है। गोल्डन टेंपल सिख धर्म का पवित्र तीर्थ स्थल है। हर साल यहां पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु मत्था टेकने के लिए आते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में सिर्फ एक ही स्वर्ण मंदिर नहीं है। आपको हैरान होने की जरूरत नहीं है। भारत के तमिलनाडु के वेल्लोर नगर में भी एक स्वर्ण मंदिर है। इसको दक्षिण भारत का स्वर्ण मंदिर कहा जाता है। मान्यता

है कि यह मंदिर मां लक्ष्मी को समर्पित है और इसको महालक्ष्मी मंदिर भी कहा जाता है।

दक्षिण का स्वर्ण मंदिर

साउथ के गोल्डन टेंपल को बनाने में करीब 1500 किलो सोने का इस्तेमाल हुआ है। यह मंदिर तमिलनाडु के वेल्लूर से करीब 7 किमी की दूरी थिरुमलाई कोडी में स्थित है। अगर आप चेन्नई से इस मंदिर के दर्शन के लिए जाते हैं, तो यहां से दूरी करीब 145 किमी है। श्रीलक्ष्मी नारायण मंदिर का प्रवेश द्वार मुख्य मंदिर से करीब 1.5 से 2 किमी दूरी पर है। द्वार से चलकर मुख्य मंदिर तक जाने के दौरान आपको चारों ओर हरियाली देखने को मिलेगी।

लक्ष्मीनारायणी मंदिर की खासियत

तमिलनाडु के वेल्लूर में स्थित लक्ष्मी नारायणी मंदिर के निर्माण में कई किलो सोने

का इस्तेमाल हुआ है। बताया जाता है कि जब इस मंदिर का निर्माण हुआ था, तो करीब 300 करोड़ रुपए का खर्च आया था। लक्ष्मी नारायणी मंदिर का मुख्य मंदिर और दीवारें सोने की बनी हैं। इस मंदिर में मां लक्ष्मी की करीब 70 किलो की सोने की ठोस मूर्ति स्थापित है। मंदिर में मां लक्ष्मी की मूर्ति देख ऐसा लगता है कि जैसे साक्षात् मां लक्ष्मी मंदिर में विराजमान हैं।

यह मंदिर दिन में चमकता है और रात में इसकी भव्यता देखने लायक होती है। मंदिर के परिसर में 27 फीट ऊंचा दीपमाला है। जब इसमें दीपक जलते हैं, तो सोने की चमक में इसकी सुंदरता शब्दों में बयां नहीं की जा सकती है।

मंदिर में फहराया जाता है तिरंगा

बता दें कि लोकसभा, राष्ट्रपति भवन और अन्य सरकारी इमारतों की तरह साउथ के गोल्डन टेंपल यानी श्रीलक्ष्मी नारायणी मंदिर

पर तिरंगा झंडा फहराया जाता है। यह मंदिर हिंदुओं के लिए नहीं बल्कि सभी धर्म के लोगों के लिए खुला रहता है। माना जाता है कि साल 2007 में इस मंदिर का निर्माण पूरा हुआ था। यह मंदिर इतना फेमस है कि प्राचीन मंदिर की सुंदरता और भव्यता भी इससे पीछे रह जाते हैं।

ऐसे पहुंचें श्री लक्ष्मी नारायणी मंदिर

अगर आप साउथ के गोल्डन टेंपल यानी श्रीलक्ष्मी नारायणी मंदिर जाना चाहती हैं, तो आप यहां पर हवाई, रेल और सड़क मार्ग से आसानी से पहुंच सकती हैं। यह मंदिर तमिलनाडु के वेल्लोर में स्थित है। ऐसे में अगर आप प्लेन से जाना चाहती हैं, तो निकटतम हवाई अड्डा तिरुपति और चेन्नई का पड़ता है। तिरुपति हवाई अड्डे की दूरी करीब 120 किमी और चेन्नई से करीब 145 किमी दूर है। वहीं अगर आप रेल से जा रही हैं, तो वेल्लोर से करीब का रेलवे स्टेशन कटपडी है। जोकि मंदिर से करीब 7 किमी दूर है।

केरल की इन हसीन जगहों पर जरूर घूमें

केरल में कपल्स को हिल स्टेशन्स से लेकर समुद्री इलाके सबसे आकर्षक करते हैं। इसलिए हर महीने दर्जन से भी अधिक कपल्स केरल रोमांटिक वेशन पर जाते हैं। अगस्त साल का एक ऐसा महीना है, जब कपल्स केरल में छुट्टियां मनाने के लिए पहुंचते हैं।

जब भी दक्षिण भारतीय राज्यों में घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले केरल का नाम लेते हैं। अरब सागर के तट पर स्थित केरल एक बेहद खूबसूरत राज्य है। जहां पर हर दिन हजारों पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। केरल में कपल्स को हिल स्टेशन्स से लेकर समुद्री इलाके सबसे आकर्षक करते हैं। इसलिए हर महीने दर्जन से भी अधिक कपल्स केरल रोमांटिक वेशन पर जाते हैं। अगस्त साल का एक ऐसा महीना है, जब कपल्स केरल में छुट्टियां मनाने के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको केरल की कुछ रोमांटिक डेस्टिनेशन के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप भी अपने पार्टनर के साथ हसीन पल बिताने के लिए पहुंच सकते हैं।

अल्लेप्पी

अगस्त के महीने में केरल की सबसे खूबसूरत और रोमांटिक जगह घूमने की बात की जाती है, तो कई कपल्स सबसे पहले अल्लेप्पी पहुंचते हैं। यह जगह अपनी खूबसूरती और मेहमान नवाजी के कारण केरल के टॉप हनीमून डेस्टिनेशन माना जाता है।

यह जगह अपने सबसे सुंदर बैकवाटर, लैगून और खूबसूरत बीच के लिए जाना जाता है। यहां पर समुद्र तट के किनारे कई ऐसे रिसॉर्ट और विला हैं, जो कपल्स का शानदार वेलकम करते हैं। वहीं आप खूबसूरत बीच के किनारे खुशनुमा सुबह से लेकर हसीन शाम का लुफ्त उठा सकते हैं। वहीं पार्टनर के साथ हाउसबोट्स का भी आनंद ले सकते हैं।

वायनाड

वैसे केरल का मुन्नार तो हर कोई घूमने जाता है, लेकिन अगर आप किसी भीड़-भाड़ से दूर शांत और खूबसूरत हिल स्टेशन को एक्सप्लोर करना चाहते हैं। तो आपको वायनाड को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। यहां पर आप अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक और काटिटी टाइम बिता सकते हैं।

वायनाड एक बेहद शानदार और खूबसूरत हिल स्टेशन है। जोकि अपने चाय-काफी के बागान, हरियाली और शानदार वॉटरफॉल के लिए फेमस है। यहां पर कई ऐसे रिसॉर्ट और विला हैं, जहां पर आप अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक पल बिता सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर कुरुवा द्वीप, चेम्बरा पीक और बाणासुर सागर बांध जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कोवलम

केरल के सबसे खूबसूरत और लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में कोवलम का नाम भी शामिल है। यह अरब सागर के तट पर स्थित है। यहां पर सिर्फ अगस्त के महीने में नहीं बल्कि हर महीने पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। यह जगह अपने अधिक समुद्र तटी और प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी जाना जाता है। यहां पर हवा बीच, लाइट हाउस बीच और कोवलम बीच के किनारे कई कपल्स हनीमून के लिए भी पहुंचते हैं।

त्रिशूर

केरल की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में फेमस त्रिशूर घूमने के लिहाज से एक परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यह केरल का ऐतिहासिक और धार्मिक शहर माना जाता है। त्रिशूर में आपको खूबसूरती से लेकर स्थानीय संस्कृति का बेजोड़ नमूना देखने का मौका मिलेगा। आप यहां पर अधिरापल्ली झरना, वड़ाकुमनाथन मंदिर आदि को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।



प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्मत है जमशेदपुर के आसपास स्थित ये बेहतरीन जगहें, एक दिन में करें एक्सप्लोर



जमशेदपुर के आसपास घूमने के लिए कई जगह तलाश करते हैं। ऐसे में आज हम आपको जमशेदपुर के आसपास की कुछ खूबसूरत और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक दिन की ट्रिप में एक्सप्लोर कर सकते हैं।

जमशेदपुर झारखंड का सबसे बड़ा शहर है, जो अपनी सुंदरता के लिए जाना जाता है। इस शहर को स्टील सीटी या टाटानगर के नाम से भी जाना जाता है। जमशेदपुर को देश का औद्योगिक शहर भी माना जाता है। यह झारखंड का एक प्रमुख शहर है,

लेकिन जब भी यहां पर घूमने की बात होती है, तो बहुत कम जगहें ऐसी हैं, जहां पर पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। इसलिए कई लोग जमशेदपुर के आसपास घूमने के लिए कई जगह तलाश करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको

जमशेदपुर के आसपास की कुछ खूबसूरत और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक दिन की ट्रिप में एक्सप्लोर कर सकते हैं।

डालमाहिल्स

जमशेदपुर में जब भी किसी शानदार और खूबसूरत जगह घूमने की बात होती है, तो कई लोग डालमा हिल्स का सबसे पहले नाम लेते हैं। कई लोग इसको दालमा हिल्स के नाम से भी जानते हैं। यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता और लुभावने दृश्यों के लिए भी जाना जाता है। झारखंड के कई शहरों से पर्यटक डालमा में पिकनिक मनाने के लिए भी पहुंचते हैं। यहां पर लोग एडवेंचर एक्टिविटी का भी लुफ्त उठा सकते हैं।

डालमा हिल्स व्यू पॉइंट
दलमा वन्यजीव अभयारण्य
मकुलाकोचा
डालमा माई मंदिर
चांडिम डैम

झारखंड में सुवर्णरेखा नदी पर चांडिम डैम स्थित है। यह राज्य का प्रमुख डैम होने के साथ ही एक फेमस खूबसूरत पर्यटन स्थल भी है। यहां का पानी सिंचाई के अलावा औद्योगिक उपयोग, पेयजल और जलविद्युत उत्पादन के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है।

इस डैम को एक फेमस पिकनिक स्पॉट के रूप में भी जाना जाता है। यहां पर कई पर्यटक बोटिंग का और प्रकृति का लुफ्त उठाने के लिए पहुंचते हैं। चांडिम डैम को साइबेरियन पक्षियों का घर भी माना

जाता है। मानसून में इस डैम की खूबसूरती अपने चरम पर होती है।

घाटशिला

जमशेदपुर से करीब 50 किमी की दूरी पर स्थित घाटशिला एक खूबसूरत और प्रमुख पहाड़ी शहर है। यह राज्य के पूर्वी सिंहभूमि जिले में स्थित है। यह खूबसूरत शहर सुवर्णरेखा नदी के किनारे बसा है। झारखंड में घाटशिला को %उसवाँ का शहर% भी माना जाता है। इस जगह को प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। बुरुडीह झील घाटशिला की शान मानी जाती है।

यहां घूमें

पांच पांडव स्थल
रंकिणी मंदिर
फूलडुंगरी पहाड़ी
बुरुडीह झील
मुकुटमणिपुर
यह पश्चिम बंगाल की एक बेहद खूबसूरत और मनमोहक जगह है। जोकि झारखंड की सीमा से कुछ दूरी पर स्थित है। कंगसाबती और कुमारी नदियों के संगम पर मुकुटमणिपुर स्थित है। इसके कारण यहां दोनों ही राज्यों से पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। मानसून में मुकुटमणिपुर की खूबसूरती चरम पर होती है।

यहां घूमें मुकुटमणिपुर बांध
परेश नाथ पहाड़ी
हिरण पार्क